● वर्ष-2
● अंक-229
रायपुर, बुधवार
17 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

भाजपा में अगले चुनावों को लेकर चिंता बढ़ी

पार्टी ने मांगा सभी सांसदों का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। कर्नाटक में हुई करारी हार के बाद भाजपा ने अपने सभी सांसदों का रिपोर्ट कार्ड मांगा है। सभी प्रदेश अध्यक्षों को एक महीने के भीतर सभी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में हुए कार्यों की समीक्षा कर एक रिपोर्ट पार्टी की केंद्रीय इकाई को देनी है। सांसदों का रिपोर्ट कार्ड उनके लोकसभा क्षेत्रों में केंद्र सरकार के द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्यों की स्थिति, सांसदों की जनता के बीच लोकप्रियता, क्षेत्र में बिताए गए समय और सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता के आधार पर बनाया जाएगा। 2024 में टिकट बंटवारे के लिए यह बड़ा आधार बन सकता है।

एक्शन में भाजपा!

- सांसदों के इलाकों में होगी कार्यों की समीक्षा
- पार्टी की केंद्रीय इकाई को एक माह में सौंपनी होगी समीक्षा रिपोर्ट
- यह रिपोर्ट बनेगी 2024 में टिकट बंटवारे का आधार
- जिन सीटों पर भाजपा कमजोर, वहां चलेगा जनसंपर्क अभियान

भाजपा कर्नाटक की हार को लेकर भाजपा मंथन कर रही है। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि कर्नाटक में हार के बाद भाजपा ने क्या सबक लिया है? कर्नाटक चुनाव परिणाम से भाजपा को अगले विधानसभाओं की चिंता बढ़ गई है। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी इस बात का गहराई से आकलन कर रही है कि कर्नाटक में हुई हार का आगामी लोकसभा चुनाव पर क्या असर पड़ सकता है। इस बात का भी आकलन किया जा रहा है कि इसी वर्ष होने वाले राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

पार्टी के अंदर अभी से छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणामों को लेकर चिंता है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के लंबे समय से सत्ता में रहने के कारण पैदा हुए एंटी इनकमबेंसी फैक्टर की तीव्रता का आकलन किया जा रहा है। राजस्थान में सत्तारूढ़ दल में मचे घमासान के बीच भी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को %वसुंधरा फैक्टर% अभी भी परेशान कर रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों के ठीक पहले इन राज्यों में कमजोर प्रदर्शन पार्टी और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर नकारात्मक असर डाल सकता है। यही कारण है कि इन राज्यों में बेहतर परिणाम लाने पर गहराई से काम किया जा रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत इन चुनावी राज्यों में पार्टी ध्यान केंद्रित कर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की ज्यादा जनसभाएं इन्हीं राज्यों में कर हवा को अपने पक्ष में करने की कोशिश की जा सकती है।

70 कमजोर लोकसभाओं पर फोकस

30 मई से 30 जून के बीच एक महीने तक चलने वाले विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत देश के 396 लोकसभा क्षेत्रों में जनता से संवाद किया जाएगा। इसी दौरान प्रदेश की टीमों के द्वारा सांसदों के क्षेत्रों में हुए कार्यों की जानकारी एकत्र की जाएगी। जिन लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति कमजोर है, उन पर विशेष तौर पर फोकस कर अगले एक वर्ष के अंदर जनसंपर्क किया जाएगा। पार्टी ने 70 ऐसे लोकसभा क्षेत्रों की पहचान की है, जहां पार्टी ने कम अंतर से जीत हासिल की थी। ऐसे सभी लोकसभा क्षेत्रों में विशेष तौर पर कार्य किया जाएगा और जनता से संपर्क स्थापित किया जाएगा।

छोटे दलों से गठबंधन

सूत्रों का दावा है कि भाजपा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में छोटे दलों के साथ गठबंधन कर सकती है। छोटे दलों से गठबंधन के बाद भाजपा को सीधे तौर पर सामाजिक स्तर पर राजनीतिक लाभ मिल सकता है।

खत्म करना होगा गुटबाजी

जिन राज्यों में भी चुनाव हैं, वहां पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती गुटबाजी रहने वाली है। चुनाव में जीतने के लिए भाजपा को पूरी तरीके से एकता दिखानी होगी। पार्टी ने फिलहाल आगामी चुनाव के मद्देनजर राज्यों को निर्देश दे दिया है कि पार्टी के भीतर मौजूद गुटबाजी को खत्म किया जाए। उदाहरण के तौर पर देखें तो मध्यप्रदेश में पार्टी का चेहरा शिवराज सिंह चौहान बने रहेंगे। लेकिन उन्हें कहा गया है कि आप ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर और बीडी शर्मा जैसे अन्य नेताओं को एकजुट करें ताकि आने वाले चुनाव में पार्टी को कोई नुकसान ना हो।

स्थानीय मुद्दे और चेहरों को दी जाएगी वरीयता

कर्नाटक में भाजपा ने स्थानीय मुद्दों से ज्यादा राष्ट्रीय मुद्दों को उठाया था। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि पूरा का पूरा चुनाव नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। यही कारण है कि अब भाजपा स्थानीय चेहरे को महत्व देने की कोशिश करती है। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में भाजपा अब वसुंधरा राजे को आगे कर सकती है। इसके अलावा किरोड़ीमल मीना, गजेंद्र शेखावत, सतीश पूनिया जैसे राज्य के अन्य नेताओं को भी आगे रखा जाएगा। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह अब तक किनारे थे। लेकिन ऐसा लगता है कि अब उन्हें भी आगे किया जा सकता है।

कर्नाटक का तालिबानीकरण शुरू- भाजपा

बेंगलुरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने मंगलवार को यह आरोप लगाया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद राज्य में तालिबानीकरण शुरू हो गया है और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल लोग शांति भंग करने के लिए उठ रहे हैं। कटील ने रविवार को बेंगलुरु ग्रामीण जिले के होस्कोटे में एक भाजपा कार्यकर्ता के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिसकी अपने घर के बाहर पटाखे फोड़ने का विरोध करने पर कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। हमले में उनकी पत्नी और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा चुका है। हमले के अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है। कटील ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त लोग उठ रहे हैं और शांति व सद्भाव को खत्म कर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि कांग्रेस ने इस तरह के लोगों को शरण दी है और उन्हें बढ़ावा दिया है। इसलिए, हम कांग्रेस से ज्यादा उम्मीद नहीं कर सकते।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

कांग्रेस में सरगारमाइज बढ़ा राजनीतिक पारा

मंगलवार के दिन पवनपुत्र हनुमान की आराधना की जाती है, कर्नाटक चुनाव के दौरान बजरंगबली राजनीतिक पूजा-पाठ बढ़ गई थी। छत्तीसगढ़ में भी बजरंगबली का महत्व चुनावी दृष्टि से बढ़ा है। मंगलवार को अचानक कांग्रेस की प्रभारी शैलजा राजधानी पहुंची और मुख्यमंत्री निवास में बैठक का दौर शुरू हुआ। इस बार से चर्चा शुरू हो गई कि प्रदेश में राजनीतिक फेरबदल होने जा रहा है। बात यहां तक पहुंची कि मुख्यमंत्री बदलने जा रहे हैं और नहीं तो मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव हो सकता है। इस तरह की खबरों की गर्माहट शाम होते होते ठंडी पड़ गई लेकिन यह बात तो सच है कि कांग्रेस प्रभारी शैलजा अचानक रायपुर आईं, यह भी सच है कि मुख्यमंत्री निवास में महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक भी हुई जिसमें ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत, मोहन मरकाम, टी एस सिंहदेव सहित अनेक मंत्री शामिल हुए। सवाल यह भी है कि आनन-फानन में यह बैठक क्यों हुई? एक बात तो है कि कांग्रेस सरकार पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। ईडी ने कोयला घोटाले के बाद शराब घोटाले में बड़े अधिकारियों और व्यापारियों को गिरफ्तार किया है जिनके तार कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं से जुड़े हुए हैं। कुछ बड़े अधिकारी और नेता भी गिरफ्तार हो सकते हैं, संभव है कुछ उससे भी बड़ी कार्रवाई हो जाए। इस बात की चर्चा भी हो रही थी कि राजधानी में सीआरपीएफ की बड़ी टुकड़ी आई है, संभव है ईडी कोई बड़ी कार्रवाई करे। अगर ऐसा कुछ होने वाला है, कांग्रेस हाईकमान को कोई इंटेलिजेंस रिपोर्ट मिली हो। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का कुनबा एकजुट होकर बयान दे या संघर्ष करे इसकी चर्चा शैलजा की बैठक में हुई हो। क्योंकि इस बैठक में संगठन के प्रमुख और वरिष्ठ मंत्री उपस्थित थे और जो बैठक में आए उनमें आपस में खटपट की खबर भी आती रहती है। रही बात प्रदेश में कांग्रेस संगठन या सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की तो अभी कर्नाटक सरकार बनाने के लिए दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान माथापच्ची कर रहा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ उनकी सोच में कम से कम अभी तो नहीं होगा। दूसरी बात प्रदेश प्रभारी की शक्ति में नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा करने की नहीं है। वैसे कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने वहां सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया था। अब जब तीन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें दो राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और छत्तीसगढ़ में तो ईडी ने भ्रष्टाचार के बड़े मुद्दों को उजागर किया है। इधर भाजपा भी चावल वितरण में भ्रष्टाचार और गोठन निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। ऐसे में अगले चुनाव में भाजपा भी कांग्रेस सरकार

अरुणाचल के बिना अधूरे होते श्रीकृष्ण...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में अपने आवास पर अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के समुदाय के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने गुजरात की उनकी हाल की यात्रा के अनुभव के बारे में चर्चा की, विशेष रूप से केवडिया और गिफ्ट सिटी की उनकी यात्रा के बारे में।

मुख्यमंत्री कौन? डीके-सिद्धारमैया के नाम पर मंथन जारी

■ खड़गे के घर राहुल सहित वरिष्ठ नेताओं का जमावड़ा

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जबरदस्त सफलता हासिल की है। कांग्रेस को 136 सीटें हासिल हुई हैं। कांग्रेस पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद अपने दम पर सरकार बनाने जा रही है। हालांकि, कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर फिलहाल चर्चा जारी है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए, इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लगातार बैठक कर रहे हैं। फिलहाल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर एक बड़ी बैठक हो रही है। इस बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के अलावा राहुल गांधी भी मौजूद हैं। फिलहाल कर्नाटक में दो लोग मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हैं। पहला नाम पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का है जो कल से ही दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं तो वही डीके शिवकुमार भी मुख्यमंत्री पद के लिए समय है और वह अब दिल्ली पहुंच गए हैं।

मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों की अपनी-अपनी

दावेदारी है। ऐसे में कुछ विधायक भी आप दिल्ली पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि विधायकों की राय के बाद नए मुख्यमंत्री का ऐलान किया जा सकता है। अगले कर्नाटक सीएम के लिए पार्टी में चल रही बातचीत के बीच कर्नाटक कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री के फैसले पर कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लेंगे। इसमें कोई देरी नहीं है, हम प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी इस मुद्दे पर फैसला करेंगे। डीके शिवकुमार आज आ रहे हैं, उसके बाद एआईसीसी अध्यक्ष और अन्य नेता एक साथ बैठकर मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

रगे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल का नेता चुनने के लिए वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह और दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। तीनों पर्यवेक्षकों ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से अलग-अलग बात कर उनकी राय जानी थी और फिर उन्होंने खरगे को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कांग्रेस विधायक दल की रविवार शाम बेंगलुरु के एक निजी होटल में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया गया, जो कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। राज्य में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल करते हुए 135 सीट अपने नाम कीं, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमशः 66 और 19 सीट जीतीं।

प्रमुख समाचार

10 दिन के दौरे पर अमेरिका जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व वायनाड सांसद राहुल गांधी 31 मई को 10 दिनों के लिए अमेरिका दौरे पर जाएंगे। सूत्रों के अनुसार राहुल चार जून को न्यू यॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5000 प्रवासी भारतीयों के साथ रैली करेंगे। इसके अलावा वह पैनेल चर्चा और भाषण के लिए वॉशिंगटन और कैलिफोर्निया के स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी भी जाएंगे। राहुल अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिका के राजनेता और उद्यमियों से भी मुलाकात करेंगे। इस बीच पीएम मोदी 22 जून को राजकीय यात्रा के लिए अमेरिका जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते एक प्रेस बयान में बताया कि अमेरिका में पीएम मोदी की मेजबानी राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। पीएम मोदी के लिए व्हाइट हाउस में रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया है। हाल ही में लंदन दौरे पर गए राहुल गांधी कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में केंद्र सरकार और भारतीय लोकतंत्र की आलोचना करने के बाद सुर्खियों में आ गए थे।

वाईएसआरटीपी के कांग्रेस में विलय पर वाईएस शर्मिला ने दी प्रतिक्रिया, कहा- फिर खुद की पार्टी क्यों बनाती

वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने गठबंधन और पार्टी विलय पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। मंगलवार को उन्होंने प्रचार अभियान का जवाब दिया कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय होगा। उन्होंने कहा कि वे इस समय चार्जिंग मोड में हैं... उन्हें सभी पार्टियों के फोन आ रहे हैं। अगर साथ आना है तो किसी पार्टी में विलय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय करना चाहते हैं तो हम खुद पार्टी नहीं बनाते। शर्मिला ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर वह विलय करना चाहती हैं तो वह 3,800 किलोमीटर भी नहीं चल पाएंगी। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी गरीबों और बेरोजगारों की पार्टी है, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि वे किसी के साथ गठबंधन करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

मोदी सरकार के 9 साल पर नया संसद भवन का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द ही नए संसद भवन का उद्घाटन करने की संभावना है। नया संसद भवन दिल्ली में लुटियंस जोन्स में है। इसका निर्माण सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के हिस्से के रूप में किया गया है। नए संसद भवन का उद्घाटन महीने के अंत तक किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये वो वक्त है जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सत्ता में नौ साल पूरे हो रहे हैं। एक महीने पहले, प्रधानमंत्री मोदी भवन के औचक दौरे पर गए थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ मोदी ने परिसर में एक घंटे से अधिक समय बिताया और विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद के दोनों सदनों में आने वाले संकायों का अवलोकन किया और निर्माण श्रमिकों और अधिकारियों के साथ बातचीत की। पीएम ने 2020 में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। सितंबर 2021 में उन्होंने नए परिसर के स्थल का दौरा किया

राम मंदिर की तरह ज्ञानवापी के पूरे परिसर का होगा सर्वे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की वाराणसी में ज्ञानवापी मंदिर परिसर के एएसआई सर्वे की याचिका को जिला कोर्ट की तरफ से मंजूर कर लिया गया है। कोर्ट द्वारा याचिका मंजूर किए जाने के बाद हिंदू पक्षकार की ओर से सर्वे से संबंधित दावेदारी की गई है। ज्ञानवापी परिसर की एसएसआई जांच को मंजूरी दिए जाने की बात कही है। हिंदू पक्षकार की ओर से दी गई याचिका को स्वीकार करते हुए वाराणसी जिला कोर्ट ने 22 मई को अगली सुनवाई का आदेश दिया है। ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि आज जिला अदालत वाराणसी में हमने मांग की कि पूरे परिसर की एएसआई जांच कराई जाए। हमने मांग की है कि तथाकथित मस्जिद के पश्चिमी दीवार की भी जांच हो। तथाकथित मस्जिद के गुंबद के नीचे हिंदू मंदिर का शिखर है उसकी भी जांच की जाए।

संचार साथी पोर्टल से रोकी जाएगी टेलीकॉम धोखाधड़ी

केंद्रीय संचार, रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूरसंचार उपयोगकर्ता की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के दृष्टिकोण के तहत हमने संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया है जिसके तहत दूरसंचार उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए तीन सुधार हैं जो उपयोगकर्ता की डिजिटल पहचान को सुरक्षित रखने में मदद करेंगे। ये सुधार पूरी तरह से भारत के दूरसंचार क्षेत्र को विश्व स्तर पर बेंचमार्क करने के लिए पीएम के दृष्टिकोण को फिट करते हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहला सुधार सेंट्रलाइज्ड इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) है जो खो जाने या चोरी हो जाने पर मोबाइल फोन को ब्लॉक, ट्रैक और ट्रेस करने में मदद करता है। अगर सिम कार्ड निकाल दिया जाता है और नया सिम कार्ड डाला जाता है तब भी फोन को ब्लॉक किया जा सकता है।

दक्षिण में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी, सीमित हुए भाजपा के विकल्प

आर. राजगोपालन

कर्नाटक के मतदाताओं ने अपना फैसला कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस को राज्य की सत्ता सौंपी है। जाहिर है, कर्नाटक का चुनावी नतीजा भाजपा के खिलाफ है, जिसने हर बार की तरह जोरदार ढंग से चुनाव प्रचार किया था। हालांकि अनेक जगह जीत का अंतर बेहद मामूली, लगभग 1,000 वोटों का है, लेकिन कांग्रेस ने भाजपा की तुलना में लगभग दोगनी सीटें जीती हैं और कांग्रेस के लिए यह एक बड़ी जीत है। दरअसल कर्नाटक के मतदाता बदलाव चाहते थे, क्योंकि वे भाजपा की सरकार से तंग आ गए थे। कर्नाटक में भाजपा की यह हार बसवराज बोम्मई की भविष्य की राजनीति को भी प्रभावित करने वाली है, क्योंकि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहे। चूंकि कर्नाटक में भाजपा की यह हार बड़ी है, इसलिए भी पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अब बोम्मई को ज्यादा महत्व नहीं देने वाला।

दूसरी तरफ कर्नाटक में कांग्रेस की इस विशाल जीत के रणनीतिकार चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर की तरह एक तेलगू भाषी व्यक्ति सुनील कोनागुलू हैं। जीत के बाद भी वह नेपथ्य में हैं, जो उनकी शैली है। वह बड़ी-बड़ी बातें नहीं करते, न मीडिया में अपना प्रचार कराते हैं, न ही उनकी तस्वीर कहीं दिखती है। वह आज कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से हैं, जो राहुल गांधी को चुनाव के मामले में सीधे सलाह दे सकते हैं। जब कोनागुलू कांग्रेस से जुड़े थे, तब पार्टी का चुनाव अभियान शुरू हो चुका था, लेकिन वह दिशाहीन था। पार्टी के अलग-अलग धड़े

अपने लोगों के लिए अधिक से अधिक टिकट मांग रहे थे। लेकिन राहुल और प्रियंका गांधी के पूरे समर्थन से उन्होंने चुनाव की जिम्मेदारी ली और भाजपा को हटाने के लिए चुनाव विशेषज्ञों की एक टीम गठित की।

स्थिति भांपकर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कोनागुलू से संपर्क साधा और उन्हें भाजपा में वापस लाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन उन्होंने उनका प्रस्ताव खारिज कर दिया और स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कांग्रेस की वैचारिकता में यकीन करते हैं। क्या कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बेहतर संभावनाएं बनेंगी? क्या ममता बनर्जी और केसीआर जैसे कांग्रेस-विरोधियों को नीतीश कुमार कांग्रेस के साथ ले आने में सफल होंगे?

अगर आप जातिगत समीकरण की बात करें, तो लिंगायत और वोक्कालिगा वोटरों ने एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया है। भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ठीक तरह से चुनाव प्रचार नहीं कर पाए। नतीजतन लिंगायत वोटर भाजपा से निकल गए। कांग्रेस देवगौड़ा के वोक्कालिगा वोटरों को भी अपने पक्ष में ले आने में सफल रही। ऐसे ही, मुस्लिम वोटर भी जेडीएस से निकल कर कांग्रेस में चले गए। यानी कांग्रेस ने जेडीएस के वोट बैंक पर भी जबर्दस्त चोट की।

कांग्रेस कार्यकर्ता क्या अब प्रियंका गांधी वाड्रा को अध्यक्ष बनाने की मांग करेंगे? वह हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने में सफल हुईं और अब कर्नाटक में कांग्रेस की जीत में भी उनका योगदान है। राहुल गांधी की तुलना में, जिनकी लोकसभा सदस्यता रद्द हो गई है, प्रियंका गांधी को लोग ज्यादा सुनना पसंद करेंगे। अचानक हनुमान जी राजनेताओं के इतने प्रिय हो गए कि नतीजे के बाद प्रियंका गांधी को शिमला के जाखू मंदिर में पूजा करते देखा गया।ध्यान देने की बात है कि कर्नाटक में वर्ष 1989 से ही कोई सत्तारूढ़ पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में नहीं आ पाई है। इस चुनाव में भी यही हुआ है। हालांकि इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने रैलियों और रोड शो का आयोजन किया था, लेकिन जनता ने कांग्रेस को गले लगाया और भाजपा पर भरोसा नहीं किया। हालांकि कर्नाटक में भाजपा की यह हार उसके लिए ठीक ही है, क्योंकि अब वह लोकसभा चुनाव के लिए अच्छी तरह तैयारी कर पाएगी।कर्नाटक में कांग्रेस की वापसी दक्षिण के राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों, जैसे तमिलनाडु में द्रमुक, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और केरल में माकपा के लिए ठोस संदेश है। दक्षिण की ये राजनीतिक पार्टियां अब गांधी परिवार के प्रति नरमी का परिचय देंगी। दूसरी तरफ इस जीत से उत्साहित कांग्रेस अब के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति को हराने के लिए तेलंगाना पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। कर्नाटक के नतीजे का तमिलनाडु पर भी असर पड़ने वाला है।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को चुनावी वादे याद दिलायेगी भाजपा : शशि पवार

- चलबो गोठान, खोलबो पोल आंदोलन की बनी रणनीति
- विधानसभा स्तरीय बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा

धमतरी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट मुलाकात कार्यक्रम के अंतर्गत धमतरी विधानसभा के दौरे पर आने वाले हैं। मुख्यमंत्री के इस बहुप्रतिक्षित दौरे को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री के आगमन पर उन्हें चुनावी वायदे याद दिलाने और नगर विकास के विभिन्न मुद्दों पर उनसे जवाब मांगने भाजपा के कार्यकर्ता उनसे मुलाकात करेंगे।

सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य इत्यादि की सुविधाओं को लेकर धमतरी की जनता स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रही है। किसानों सिंचाई सुविधा न होने से परेशान है, स्व सहायता समूह की महिलाएं काम न मिलने से कर्ज के बोझ मे लद गयी हैं। रोजगार के अभाव में युवा पीढ़ी नशे और अपराध के दलदल में धँसते जा रही है। बेरोजगारी भत्ते के नाम पर उनसे छलावा किया जा रहा है। शराबबंदी करने की बजाये सरकार के

संरक्षण में शराब को काली कमाई का जरिया बना लिया गया है। आत्मानंद स्कूलों में स्टाफके अभाव से बच्चों के भविष्य बरबाद हो रहे हैं। सड़कों के खस्ताहाल के कारण भीषण दुर्घटनाएं हो रही है, दैत्याकार हाइवा गाडियाँ अवैध रेत के परिवहन में बेरोकटोक लगी हैं। उच्च शिक्षा यथा मेडिकल, इंजीनियरिंग कालेज की मांग पर सरकार कोई ध्यान नही दे रही है। इन तमाम मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री से भाजपा कार्यकर्ता सवाल पूछना चाहते हैं।

विगत रविवार को जिलाध्यक्ष ठाकुर शशि पवार ने विधायक रंजना साहू समेत सभी प्रमुख पदाधिपरियों की बैठक बुलाई। बैठक मे पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की योजना भी तैयार की गयी। पार्टी द्वारा आगामी 20 से 25 मई तक जिले के सभी गोठानों पर चलबो गोठान, खोलबो पोल अभियान चलायेगी। इसके अंतर्गत गोठानों में व्याप्त अनियमिताएँ, गोबर खरीद, कंपोस्ट खाद निर्माण एवं विक्रय सहित अन्य गतिविधियों पर खुल कर हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करेगी। प्रत्येक विधानसभा में 40 से अधिक स्थानों पर प्रदेश के द्वारा एवं अन्य स्थानो पर जिले से पर्यवेक्षक भेजे जायेंगे जो स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ सभी गोठानों मे जाकर पोल खोलने का कार्य करेंगे। इस अभियान हेतु विधानसभा स्तर पर संयोजक भी बनाये गए हैं। धमतरी विधानसभा के लिए महेंद्र पंडित, कुरुद के लिए लोकेश साहू एवं सिहावा के लिए राजेंद्र गोलछा अभियान के संयोजक होंगे।

जिला महामंत्री कविन्द्र जैन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बैठक में विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर आंदोलनों की योजना बनाई गयी। नगर निगम में भी पार्टी अब आंदोलन की धार तेज करेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी जी के स्वर्णिम कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी विभिन्न रचनातमक एवं सेवा कार्यों की श्रृंखला भी चलायेगी। युवा मोर्चा आगामी दिनों बड़े पैमाने पर नव मतदाता संपर्क एवं सम्मान कार्यक्रम चलायेगी। जिले के सभी 750 बूथों पर यह कार्यक्रम भाजयुमों के द्वारा चलाया जायेगा।

जिलाध्यक्ष एवं सभी प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया, प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मे चलाई जाने वाली भ्रामक खबरों को कांग्रेस का षड्यंत्र बताते हुए कहा कि प्रदेश में विपक्ष की सक्रियता से भयभीत होकर कांग्रेस इस प्रकार के हथकंडे अपनाकर कार्यकर्ताओं में फूट डालने का लगातार प्रयास कर रही है जैसे जैसे चुनाव नजदीक आते जायेंगे इस प्रकार के षड्यंत्र और अधिक देखने को मिलेंगे। इससे प्रभावित हुए बिना हम सबको एकजुट होकर प्रदेश की इस भ्रष्टतम सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर काम करना होगा। बैठक में रामु रोहरा, अरविंदर मुंडी, श्यामा साहू, बीथिका विश्वास, हेमंत माला, धनीराम सोनकर, महेंद्र पंडित, नेहरू निषाद, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, चंद्रकला पटेल, कैलाश सोनकर, विनय जैन, पवन गजपाल, निलेश लुनिया, प्रीतम साहू, अमन राव, शिवदत्त उपाध्याय सहित प्रमुखजन उपस्थित थे।

राज्य सरकार पंचायतों का हक छीन रही

नगरी। छत्तीसगढ़ में भले ही गांवों की दशा सुधारने के लिए पंचायतीराज व्यवस्था लागू की गई है। लेकिन राज्य सरकार द्वारा लगातार पंचायतों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत मुनईकेरा के सरपंच महेन्द्र नेताम, बेलरगांव सरपंच उमेन्द्र मरकाम, बांसपानी सरपंच रामसिंह मरकाम, गेदरा सरपंच प्रेमसिंह सलाम, कुम्हड़ा सरपंच ईश्वरी नेताम, मेचका सरपंच विमला धुर्वा एवं अन्य सरपंचों ने आरोप लगाया कि अन्य विभाग शासन प्रशासन की शह पर ग्राम पंचायत के कार्यों को अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिये दे रहे हैं। ऐसे में ग्राम पंचायत का हक छीना जा रहा है। इस मामले में स्थानीय विधायक का पंचायतों को सहयोग नहीं मिलना पंचायती राज व्यवस्था को नहीं समझना व धता बताना है।

उन्होंने मांग किया है कि शाला भवन निर्माण, शाला मरम्मत के कार्य, सामुदायिक भवन एवं अन्य निर्माण कार्य 50लाख से कम के कार्य पंचायतों को दिया जाय। यदि ऐसा नहीं किया जा सके तो मनरेगा के कार्यों को भी ठेका पद्धति से कराया जाये।

मुख्यमंत्री ने स्वयं घोषणा किया है कि पंचायत को 50 लाख तक कार्य कराया जाना है। वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत को 50 लाख तक के काम कराने का अधिकार की बात करने वाले पंचायत का निवाला छीनने का काम कर रहे हैं। पंचायत के कार्यकाल लगभग 3 साल हो गया है विगत दो साल से कोरोना के कारण व शासन से कोई फण्ड नहीं मिलने से पंचायतों में कोई भी विकास कार्य नहीं हो रहा है।

सेलूद संतों की पावन भूमि है: बघेल

पाटन। कबीर आश्रम सेलूद में आयोजित दो दिवसीय संत समागम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल दुर्ग लोक सभा के सांसद विजय बघेल ने कहा संत कबीर का जीवन सदैव उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा । जो समाज को रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्त करना चाहते हैं। सेलूद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं संतों की पावन भूमि है। जहाँ पर कबीर आश्रम के महंत सुकृत शास्त्री जी माध्यम से लोगों को विगत 42 वर्षों से संतों की बानी सुनने एवं कबीर के बताए मार्ग पर चलने लोगों को प्रेरणा मिल रहा है। सांसद बघेल ने कबीर आश्रम की मांग पर सर्व सुविधा युक्त शौचालय निर्माण किये जाने की घोषणा किये। संचालन छोटे महंत परमेश्वर साहेब ने किया। आभार प्रदर्शन तहसील साहू संघ पाटन के महासचिव खेमलाल साहू ने किया। मौके पर संत भूपत साहेब, सरपंच सेलूद श्रीमती खेमीन साहू, लालेश्वर साहू, लालजी साहू,प्यारेलाल साहू,रमेश देवांगन,तारेन्द्र बंछोर मुकतु राम साहू, भोला राम साहु, अनिल बनपेला, हरप्रसाद अडिल, टिकेश्वरी साहू सहित विशाल संत समाज व अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सेलूद सरपंच ने ग्राम विकास के लिए मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपी

ग्राम सेलूद के कबीर आश्रम में दो दिवसीय कबीर प्रकाट्य उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ग्राम पंचायत सेलूद की सरपंच श्रीमति खेमिन साहू ने सेलूद के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्यो की सूची प्रेषित कर विकास कार्यो के लिए राशि स्वीकृत करने के आवेदन पत्र प्रेषित किया। जिसमे ग्राम सेलूद में 10 बिस्तर अस्पताल, शासकीय कन्या महाविद्यालय, एक करोड़ की लागत से सामुदायिक मांगलिक भवन, वार्ड आठ से शितलापार तक गली सीमेंटीकरण, बजरंग चौक खाद गोदाम के पास महिला सदन, बजरंग चौक में नर्सरी स्कूल, सेलूद चौक में पानी टंकी निर्माण, तालाबो का सौन्दर्यी करन जिसमे प्रमुख रूप से शीतला तालाब, कलाउ तालाब, चारबाँधा तालाब, भूतर्रा तालाब , भूकड़िया तालाब, बावाकुटी तालाब, खदान तालाब, दोनो बाजार में शेड निर्माण, सियान सदन, दशहरा मैदान सीमेंटीकरण, औषधालय में आहाता निर्माण, मजार चौक स्कूल भवन का नवीन निर्माण, बावाकुटी हाईस्कूल मैदान में मिनी स्टेडियम, महिला पालीटेक्निक एवं आई टी आई स्थापना, खेती के लिए बांध निर्माण, सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का उन्नयन, सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, मजार चौक में नवीन सामुदायिक भवन, सेलूद के भाठापारा और बावाकुटी श्मशान घाट में पक्का शेड और प्रतीक्षालय निर्माण, नया ग्राम पंचायत भवन, वार्ड क्रमांक 1 से 20 तक गली सीमेंटीकरण व कांक्रीट नाली निर्माण, सभी तालाबो में सुविधायुक्त शेड के साथ घाट निर्माण के लिए निवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया स ग्राम सेलूद के 180 एकड़ चारागाह की भूमि को संरक्षित एवं सुरक्षित करने हेतु मुख्यमंत्री श्रीमती खेमिन साहू सरपंच ने विशेष आग्रह पत्र प्रेषित किया गया स जानवरो के लिए आरक्षित चारा की जमीन पर लगातार अवैध कब्जाधारियों के द्वारा कब्जा किया जा रहा है।

अटल आवास को लेकर जनता का फूटा आक्रोश, नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में महापौर व सांसद को घेरा

- महापौर का स्वयं के वार्ड में भारी विरोध, अटल आवास निवासियों ने लगाए हितानंद जिंदाबाद के नारे

कोरबा। वार्ड क्रमांक 14 अटल आवास पंप हाउस में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा, विगत दिनों 2 दिन की ही बरसात में एक मकान का छज्जा गिर गया था, भगवान की दया से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई थी इसकी सूचना पर नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने मौके पर पहुँच कर मुआयना कर जिलाधीश को ज्ञापन सौंप कर 15 मई तक अटल आवास जीर्णोद्धार की मांग की गई थी जो पूरी नहीं होने पर नेता प्रतिपक्ष हितानंद ने महापौर निवास की घोषणा की थी, हितानंद ने कहा था कि अटल आवास के लोग महापौर के घर में रहेंगे और महापौर आकर अटल आवास में रहेंगे, साथ ही जनता के भोजन बनाकर वहीं भोजन ग्रहण करेंगे। इसकी भनक महापौर को लगते ही महापौर, कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत को लेकर अटल आवास पंप हाउस पहुँच गए, जहाँ पर अटल आवास के निवासियों द्वारा नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल के नेतृत्व में महापौर को घेर लिया, वार्डवासियों द्वारा महापौर को खूब खरी-खोटी सुनाई गई।

महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड वासियों के द्वारा लगाए जा रहे वादाखिलाफी के आरोपों पर अपना संयम खोते हुए वार्ड क्रमांक 13 परिवहन नगर की महिला पार्षद सु रितु चौरसिया को जनता, अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के बीच पागल कह दिया जिससे वार्ड वासियों में आक्रोश बढ़ गया तब हितानंद अग्रवाल ने महापौर को आड़े हाथों लिया जिससे जनता के सामने महापौर को सु रितु चौरसिया से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी पड़ी तब कहीं जनता का

आक्रोश कम हुआ वही हितानंद अग्रवाल ने बताया कोरबा नगर निगम के प्रथम नागरिक महापौर को किसी महिला के साथ इस इस तरह का अभद्र व्यवहार नहीं करना चाहिए, अपने व्यवहार को संयमित रखना चाहिए।

सांसद ने अधिकारियों को दिए तत्काल मरम्मत के लिए आदेशित'

सांसद ने तत्काल राहत के लिए अपर आयुक्त और जोन कमिश्नर को दिए एक तरफ से मरम्मत का कार्य प्रारम्भ करने के आदेश साथ ही महापौर को राशि व्यवस्था करने के लिए भी निर्देशित किया। कोरबा सांसद ज्योत्स्ना चरण दास महंत ने मीडिया से रूबरू' हो कर बताया कि जनता को कोई परेशानी होती है तो हमे आना चाहिए मै आज कोरबा प्रवास में थी तो जन सामान्य की बाते हुई तो अटल आवास को देखने आयी थी लेकिन जैसा बताया गया था कि अटल आवास की स्तिथि जर्जर है जिसको जल्द मरम्मत की आवश्यक्ता है इसके लिये महापौर पिछले 2 साल से प्रयासरत रहे है लेकिन कुछ कारणवश ये कार्य नही हो पा रहा था, अब इन बातों को गंभीरता से लिया जाएगा, मरम्मत के लिए महापौर अपने फण्ड से स्वीकृति प्रदान करेंगे। कमिश्नर से बात हुई है इस विषय पर हम सब मिलकर कार्य करेंगे। हितानंद जिंदाबाद और हितानंद संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ है जैसे जयघोषों से गूंज उठा अटल आवास परिसर'। अटल आवास के निवासियों द्वारा नेता प्रतिपक्ष पर आस्था जताते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया और हितानंद जिंदाबाद के नारों अटल आवास गूंज उठाए हितानंद ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ये मनुष्य जन्म किसी की सेवा के कार्य आ जाये इससे बड़ी बात क्या होगी आप सब के आशीर्वाद से आज जो भी हूँ, सब आप के प्यार और आशीर्वाद से है आप सभी का प्यार और आशीर्वाद सदैव मुझे मिलता रहे, आपका बेटा हु मैं यहाँ राजनीति करने नही अपितु आप के साथ जो वादाखिलाफी किया गया था उसमें आप का साथ देने आया था जब भी मेरे लिए कोई सेवा की बात होगी मुझे आवाज दीजिएगा मैं आप लोगो की सेवा में हाजिर रहूंगा।

पट्टा की घोषणा कर भूले राजस्व मंत्री एवं महापौर

हितानंद अग्रवाल ने कहा कि विगत 4 वर्षों में कोरबा की स्थिति दुर्भर हो गयी है, चलने के लिए सड़के जर्जर है, नालियां जाम पड़ी है स्ट्रीट लाइट बन्द पड़ी है महापौर जी केवल राजस्व मंत्री की परिक्रमा करने में व्यस्त है, आज पंप हाउस की जनता ने महापौर का जोरदार विरोध किया, पूरे 67 वार्डो में महापौर और राजस्व मंत्री का विरोध है, जनता का उनपर से विश्वास उठ गया हैं जो साफ दिखाई दे रहा है, पट्टा नहीं मिलने के कारण लोग प्रधानमंत्री आवास से वंचित हो रहे है जबकि राजस्व मंत्री ने कई बार पट्टा देने की घोषणा की है लेकिन वो सिर्फ आज छलावा बन कर रहा गया तो वही दूसरी और महापौर के कई आवास है जबकि गरीब जनता अपने सर की छत के लिए लड़ाई लड़ रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सलियों ने किया भारत बंद का आह्वान

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में नक्सलियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आज भारत बंद का आह्वान किया है। बंद के दौरान दंतेवाड़ा में किरंदुल से विशाखापट्टनम तक जाने वाली पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस रोकी जाएगी। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नक्सलियों ने भारत बंद का आह्वान किया है। इस दौरान कई ट्रेनों को रोका जाएगा। ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीनियर कमर्शियल मैनेजर एके त्रिपाठी से मिली जानकारी के अनुसार, केके रेल लाइन पर यात्री ट्रेनों का परिचालन 14, 15 और 16 मई को प्रभावित रहेगा। वहीं बस्तर आईजी सुंदरराज ने नक्सलियों के नए संगठन का खुलासा किया है। दरअसल, नक्सलियों ने एमएमसी (महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़) दल का गठन किया है। उन्होंने बताया कि, नक्सली संगठन मुठभेड़ में बस्तर के लड़ाकों को आगे कर रहे हैं। आईजी ने उन लड़ाकों से माओवादी संगठन छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

जगदलपुर में डेंगू से बचाव के लिए निकाली रैली

जगदलपुर। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जगदलपुर में डेंगू के रोकथाम के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। कलेक्टर विजय दयाराम के ने रैली को दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलेक्टर ने नेतृत्व में निकली यह रैली गुरु नानक चौक, संजय बाजार, पनामा चौक, हाता ग्राउंड, गोल बाजार चौक, सिरहासार चौक होते हुए वापस दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण पहुंची। कलेक्टर विजय ने इस अवसर पर कहा कि डेंगू के रोकथाम का सबसे अच्छा उपाय है कि इसको फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को पनपने ही न दिया जाए। डेंगू लार्वा यदि नहीं पनपेंगे, तो कोई इस रोग का शिकार भी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कई दिनों तक लगातार हुई बारिश के बाद अभी कड़ी धूप खिल रही है, जो डेंगू सहित अन्य कीटों के प्रसार के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि इस रैली के माध्यम से लोगों को ठहरे हुए पानी को फेंकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कूलर, गमले और टायरों में रखे पानी में डेंगू मच्छरों के लार्वा आसानी से पनपते हैं, इसलिए इनमें रखे पानी को समय समय पर फेंकना जरूरी है।

भूपेश सरकार आने से 5 लाख कर्जा माफ हुआ : अशोक

धमतरी। ग्राम पंचायत भोयना निवासी स्वर्गीय बलराम देवांगन (बल्लू) के परिजनों ने वीडियो जारी कर बताया कि भूपेश बघेल सरकार के आने से उनका 5 लाख का कर्जा माफहुआ है। जिसके लिए देवांगन परिवार ने प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया हुआ। स्वर्गीय बलराम देवांगन के छोटे भाई अशोक देवांगन एवं उनके सुपुत्र ओमप्रकाश देवांगन ने बताया कि प्रदेश में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार आने के बाद उनका 5 लाख का कर्जा माफ हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि कोरोना से निधन के पूर्व स्वर्गीय बलराम देवांगन ने इच्छा जताई थी कि कर्जा माफहोने के बाद 3 कमरा बना के घर का नामकरण माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल निवास के नाम पर रखूंगा। उनकी इच्छा के अनुरूप उनके परिजनों ने घर का नामकरण भूपेश बघेल निवास किया है। उक्त वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अशोक कुमार देवांगन जी के इस प्यार के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

मंदिरों में चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेंड्रा पुलिस ने मंदिर में हो रही चोरियों के आरोपियों को पकड़ा है। पेंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत हनुमान मंदिर पंजाब नेशनल बैंक के सामने पेंड्रा, ग्राम कुदरी के शिव मंदिर तथा ग्राम सेवरा के शिव मंदिर में चोरी होने की घटनाओ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही थी। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेंड्रा पुलिस ने मंदिर में हो रही चोरियों के आरोपियों को पकड़ा है। पेंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत हनुमान मंदिर पंजाब नेशनल बैंक के सामने पेंड्रा, ग्राम कुदरी के शिव मंदिर तथा ग्राम सेवरा के शिव मंदिर में चोरी होने की घटनाओ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने आरोपियों की सामान सहित तलाश हेतु त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। थाना पेंड्रा एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा लगातार तलाश एवं छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम धोबहर थाना पेंड्रा निवासी दुर्गेश केशरवानी और कल्याण दास सोनवानी उर्फ गुड्डू के द्वारा मंदिरों में चोरी की जा रही है।

कोयले से लदी मालगाड़ी की बोगी में लगी आग

कोरबा। रेलवे स्टेशन में आज उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक मालगाड़ी के डिब्बे में अचानक आग लग गई। स्टेशन मास्टर ने तत्काल दमकल को इसकी सूचना दी, मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कोयला को बोगी से खाली करते हुए आग पर काबू पाया। रेलवे सूत्रों ने बताया कि रेलवे स्टेशन में रोज की तरह ट्रेनों की आवाजाही चल रही थी। यात्री भी अपने-अपने ट्रेनों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान स्टेशन में खड़े एक मालगाड़ी के डिब्बे से यात्रियों ने आग उठते देखा और इसके बाद स्टेशन में अफरा-तफरी मच गई। स्टेशन मास्टर को भी मालगाड़ी में आग लगने की सूचना मिली तो वे भी हड़बड़ा कर मौके पर पहुंचे। इस बीच दमकल विभाग को भी आग लगने की सूचना दे दी गई थी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने मालगाड़ी के डिब्बे से कोयलों को बाहर निकाला और किसी तरह से आग पर काबू पाया। यह आग किस तरह से लगी थी? इसका पता नहीं चल पाया है। बहरहाल समय रहते दमकल कर्मियों द्वारा आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया है।

समाज की हर माँग पूरी होगी : देवेन्द्र यादव

भिलाई नगर । श्री विश्वकर्मा समाज कल्याण केन्द्र, भिलाई नगर के वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन रविवार की रात्रि में विस्वकर्मा पूजा स्थल सेक्टर 2 सड़क 2 परसुराम भवन के पीछे भिलाई मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई बिधायक देवेन्द्र यादव थे। जिन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्री विश्वकर्मा समाज मेहनतकश समाज है। जिनके कंधे पर नवनिर्माण की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। यहां पर समाज की महिलाओं का उत्साह देखते बनता है। समाज के पूजा स्थल पर कार्यक्रम हेतु डोम सेड , बाथरूप व तार फेंसिंग का कार्य सतत रूप से होगा। कार्यक्रम की

अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष सुबास शर्मा ने की ।जिन्होंने स्वागत भाषण व माँग पत्र का वाचन किया ।विशेष अतिथि सेक्टर 2 की पार्षद श्रीमती साधना सिंह के प्रतिनिधि कर रूप में हरीश सिह सामिल हुए। इस अवसर पर समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का सम्मान प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान करके किया गया ।साथ ही बच्चो ने रंगोली, डाइंग व सतरंज स्पर्धा में भाग लेकर ईनाम पाया। समाज के प्रतिभागी सभी बच्चो का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से समाज के अध्यक्ष सुभाष शर्मा, महासचिव सुरेन्द्र शर्मा, कोषाअध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा, मनोज शर्मा,संरक्षक बिहारी लाल शर्मा, हरिराम शर्मा, दरोगा शर्मा, अजय शर्मा, टी एन शर्मा, प्रदीप शर्मा, सुचित्रा शर्मा, रीना विश्वकर्मा, ड्रा मुकेश विश्वकर्मा अशोक शर्मा,डॉक्टर सुचित्रा शर्मा, रेखा शर्मा, छाया विश्वकर्मा, रीना विश्वकर्मा, रेनू विश्वकर्मा , संगीता विश्वकर्मा, रिंकू शर्मा, अनीता शर्मा ,आरती शर्मा ,ममता शांडिल्य, रीता शर्मा ,राखी ठाकुर ,भावना शर्मा ,भावना दयाशंकर शर्मा, नीतू शर्मा ,अनीता शर्मा ,मोनिका शर्मा ,गुड़िया शर्मा, वंदना शर्मा ,इंदु शर्मा ,वंदना शर्मा, पूर्णिमा शर्मा रीता शर्मा, रेणु विश्वकर्मा,अनिता शर्मा,छाया शर्मा, सुनीता शर्मा,आरती शर्मा,रेखा शर्मा,तारा शर्मा उपस्थित थी ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का सम्मान सृजन महिला समिति व श्री विश्वकर्मा समाज कल्याण केंद्र की ओर से प्रतीक चिन्ह भेटकर किया गया ।कार्यक्रम का संचालन डा मुकेश विश्वकर्मा ने किया। समाज के बालक बालिकाओं के लिये स्पर्धा का आयोजन किया गया था ।जिसके शतरंज स्पर्धा में प्रथम अभय विश्वकर्मा , दूसरा विधान शर्मा,ड्राइंग में प्रथम सीमा शर्मा,ऋसिका दुसरा,रंगोली में ईशा विश्कर्मा प्रथम, दूसरा स्थान अनुराधा शर्मा ने पाया।

संसदीय सचिव ने हितग्राहियों को अनुदान राशि का सौंपा चेक

कांकेर। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा आदिवासी स्वरोजगार योजनांतर्गत संसदीय सचिव शिशुपाल शोरी ने मंगलवार को विकासखण्ड नरहरपुर के ग्राम पंचायत मर्रामपानी के ग्राम डोकरानाला के 17 महिला हितग्राहियों को स्वयं के रोजगार स्थापित करने हेतु बैंक प्रवर्तित योजनान्तर्गत बांस टोकरी निर्माण व्यवसाय हेतु 1 लाख 70 हजार रुपये अनुदान राशि चेक के माध्यम से वितरण किया गया।

जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ रहे संग्राहकों के पास पहुंची दिनेश्वरी महेंद्र नेताम

- तेंदुपत्ता संग्राहकों के लिए जागरुकता अभियान चला रही है अजजा मोर्चा

नगरी। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला धमतरी के अध्यक्ष महेंद्र नेताम एवं जनपद पंचायत नगरी की अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम विगत दिनों लिलांज एवं अरसीकन्हार के जंगलों में तेंदूपत्ता तोड़ रहे स?ग्राहकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को जाना एवं सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं के संबंध में उन्हें जानकारी दी।

विदित हो कि भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश भर में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम ने बताया कि तेंदूपत्ता खरीदी में संग्रहाकों, फड़ मुंशीयों को हो रहे नुकसान के साथ-साथ अन्य वनोपज पर जनजाति वर्ग को यथोचित लाभ नहीं मिलने का मुद्दा उठाया जा रहा है।

जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम ने वर्तमान सरकार से

अभ्यारण क्षेत्रों में निवासरत जनजाति परिवारों को पूर्व की भांति तेन्दूपत्ता मुआवजा देने, तेंदूपत्ता खरीदी दिवस 10 दिन करने, पूर्व भाजपा सरकार की भांति तेंदूपत्ता बोनस तथा पिछले वर्षों का प्राप्त बोनस भी दिये जाने, तेंदूपत्ता संग्राहक को जीवन बीमा, चरण पादुका, साड़ी तथा संग्राहक परिवार के पढ़ाई करने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति जैसे सुविधाएं पूर्व की भांति देने, जन घोषणा पत्र के अनुरूप तेंदूपत्ता प्रबंधकों को तृतीय वर्ग कर्मचारी घोषित करने तथा तेंदूपत्ता मुंशियों को 12000 वार्षिक मानदेय देने की मांग रखी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने 71,000 कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। 'रोजगार मेला' देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'रोजगार मेले' के तहत करीब 71 हजार नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है जिससे भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है। ये नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी हुई हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इन नवनियुक्त कर्मियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित भी किया और उन्हें सरकारी नौकरी मिलने पर बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं वॉलमार्ट के सीईओ से मिला और उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अगले 3-4 साल में 80,000 करोड़ रुपये का निर्यात करेगी।

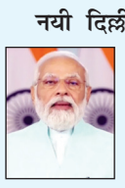

बागेश्वर बाबा के दरबार में जाने से तेजस्वी का इनकार

पटना। बिहार में धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा का दरबार लगा हुआ है। उनके कार्यक्रम में लाखों लोग पहुंच रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री के आगमन को लेकर बिहार भाजपा में उत्साह भी है। बिहार भाजपा के नेता लगातार धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में पहुंच रहे हैं। इन सब के बीच एक खबर यह भी आई थी कि बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में जा सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर जब तेजस्वी यादव से सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां जनता का कोई फायदा नहीं होता है वहां वे नहीं जाते हैं। इसी को लेकर भाजपा तेजस्वी यादव पर हमलावर हो गई है। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि तेजस्वी यादव वहीं जाना पसंद करते हैं जहां जालीदार टोपी हो। उन्होंने कहा कि हनुमंत कथा से वोट बैंक की राजनीति पूरी नहीं हो रही है इसलिए तेजस्वी यादव बागेश्वर बाबा के दरबार में नहीं जा रहे हैं।

अखिलेश के गढ़ में ओवैसी की पार्टी ने जीत दर्ज की

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की नगर पंचायत भोगांव में सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की सभासद प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के गढ़ में औवैसी की पार्टी का प्रत्याशी जीतने से सपाई हैरान हैं। मैनपुरी में पहली बार एआईएमआईएम (आल इंडिया मजलिस ए इत्तिहादुल मुसलिमीन) का खाता खुला है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम जिले में संगठन खड़ा कर चुकी है। पार्टी ने इस बार नगर पंचायत भोगांव में सभासद पद पर चार प्रत्याशी पार्टी के चुनाव निशान पर मैदान में उतारे थे। नगर पंचायत के वार्ड नंबर नौ प्रेम चिरैया से एआईएमआईएम की प्रत्याशी नाजिमा अहसान ने जीत हासिल की है। उन्होंने निर्दलीय साकिरा बेगम को 320 वोटों से हराया है। उनको 563 वोट मिले हैं। इससे पूर्व वह लगातार दो बार इसी वार्ड से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सभासद रही हैं।

नितिन गडकरी को फिर मिली जान से मारने की धमकी

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। सूत्रों ने बताया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को कल शाम उनके दिल्ली आवास पर फोन कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि मंत्री के कार्यालय ने दिल्ली पुलिस को इस बारे में सूचित किया और अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब गडकरी को जान से मारने की धमकी मिली है। इससे पहले भी उन्हें धमकी मिल चुकी है। मार्च में उन्हें दो बार फोन आया जिसके जरिए जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके बाद से पुलिस जांच में जुट गई थी। तब नागपुर के डीसीपी राहुल मदाने ने कहा था कि नितिन गडकरी के ऑफिस में जयेश पुजारा नामक व्यक्ति ने फोन कर धमकी दी और कहा कि पिछली बार जो नहीं हुआ वो अब हो जाएगा, तब 100 करोड़ मांगे थे वो नहीं दिए, अब 10 करोड़ तो दे दो।

शिवसेना के 16 नहीं 54 विधायकों पर होगा फैसला

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को महाराष्ट्र सत्ता संघर्ष पर अपना फैसला सुनाया। जिसके अनुसार यह स्पष्ट किया गया कि शिंदे सरकार बनी रहेगी। हालांकि इस बार कोर्ट ने विधायकों की अयोग्यता का फैसला विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत करता हूं, जिसमें महाराष्ट्र सरकार के 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले में अपना फैसला सुनाते हुए विधानसभा अध्यक्ष को विशेष शक्तियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक निर्णय लेने की बात है, मैं यह निर्णय यथाशीघ्र लूंगा। मैं किसी के दबाव में फैसला नहीं लूंगा। मुझे उद्धव ठाकरे समूह से कोई आवेदन नहीं मिला है। 16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेते समय किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मैं विधान भवन के बाहर दिए जा रहे बयानों पर ध्यान नहीं देता। मैं उचित समय नहीं बता सकता कि सुनवाई कब तक पूरी होगी, समय भी प्रत्येक मामले की स्थिति के अनुसार बदलता रहता है।

पीठ में छुरा नहीं घोंपेंगे और न ही ब्लैकमेल करेंगे : शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी को हरा कर प्रचंड जीत हासिल की है और उसने बहुमत हासिल किया है। कांग्रेस आलाकमान के बीच अब इस बात पर मंथन चल रहा है कि कर्नाटक का सीएम कौन बनेगा। डीके शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति की दौड़ तेज होने के कारण वह न तो किसी की पीठ में छुरा घोंपेंगे और न ही ब्लैकमेल करेंगे। उन्होंने कहा कि फैसला मंगलवार को ले लिया जाएगा। सिद्धारमैया और उनके बीच बहुचर्चित झगड़े के बारे में बोलते हुए, शिवकुमार ने कहा कि किसी को कहानियां नहीं बेचनी चाहिए और इसके बजाय भविष्य के बारे में बात करने का समय आ गया है। कांग्रेस हाल ही में हुए कर्नाटक चुनाव में 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 सीटों का भारी बहुमत हासिल करके विजयी हुई।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया से कड़े मुकाबले के बीच कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपने आवास के बाहर पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी के महासचिव ने मुझे अकेले आने का निर्देश दिया है, मैं अकेले दिल्ली जा रहा हूं। मेरा स्वास्थ्य अच्छा है।''

मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे शिवकुमार और सिद्धरमैया को कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया है। हालांकि, शिवकुमार ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए राष्ट्रीय राजधानी के अपने दौरे को सोमवार शाम को रद्द कर दिया था जिससे ये अटकलें लगायी गयीं कि पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं है। वहीं, सिद्धरमैया सोमवार से दिल्ली में हैं। मुख्यमंत्री पद के चुनाव के लिए नव निर्वाचित विधायकों से बातचीत करने वाले कांग्रेस के तीन केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इसकी जानकारी दी और सोमवार को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

कांग्रेस विधायक दल ने रविवार को बेंगलुरु में एक होटल में हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खरगे को विधायक दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत किया था। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार और सिद्धरमैया के बीच कड़ा मुकाबला है। कांग्रेस ने 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में 135 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की है। शिवकुमार तथा सिद्धरमैया को समर्थन दे रहे विधायकों की संख्या के बारे में अटकलों के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को कहा था कि उनका संख्याबल 135 है क्योंकि उनके नेतृत्व में ही पार्टी ने 135 सीटें जीती हैं।

डीके शिवकुमार ने दे दी समाचार चैनलों के खिलाफ मानहानि के केस की धमकी

कर्नाटक में मुख्यमंत्री कौन होगा इसे लेकर अब तक स्थिति साफ नहीं है। कर्नाटक के सीएम की दौड़ में शामिल सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस बीच कुछ समाचार चैनलों ने ये प्रसारित किया कि कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इन खबरों पर नाराजगी जताते हुए डीके शिवकुमार ने कहा है कि वह उन मीडिया चैनलों के खिलाफ मानहानि का मामला दायर करेंगे जो उनके इस्तीफे के बारे में झूठे दावे कर रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा कि अगर कोई चैनल रिपोर्ट कर रहा है कि मैं पद से इस्तीफा दे रहा हूं, तो मैं उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा। शिवकुमार ने कहा कि पार्टी मेरी मां है। मैंने इस पार्टी को खड़ा किया है।

जो अधिकारी कर रहे थे बंगला विवाद की जांच दिल्ली सरकार ने उससे वापस लिया सारा काम

नईदिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को दिल्ली के सेवा मंत्री सौरभ भारद्वाज से उस आईएएस अधिकारी के बारे में चुप्पी को लेकर सवाल किया, जिसे उन्होंने सतर्कता विभाग से हटाने की मांग की है। भारद्वाज के इस आशय के आदेश सामने आने के एक दिन बाद यह सामने आया है। विशेष सचिव सतर्कता वाईवीवीजे राजशेखर पर जबरन वसूली रैकेट चलाने का आरोप लगाते हुए भारद्वाज ने उन्हें सभी कार्यों और मामलों से वंचित कर दिया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इनमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फ्लैगस्टाफ रोड आवास की मरम्मत, कथित आबकारी नीति घोटाला और फीडबैक यूनिट (एफबीयू) शामिल हैं।

भाजपा ने उनके तबादले के समय पर सवाल उठाने के अलावा केजरीवाल के जांच के डर को इस कदम के लिए जिम्मेदार ठहराया। ब्ली भाजपा के प्रवक्ता हरीश खुराना ने ट्वीट करते हुए कहा कि एक विजलेंस अधिकारी जबरन वसूली का रैकेट चला रहा है और प्रोटेक्शन मनी की डिमांड कर रहा है, लेकिन विधायक सौरभ भारद्वाज चुप रहते हैं। रोज प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाला

एक बार भी मीडिया को नहीं बताता, इसका कारण स्पष्ट है। बीजेपी ने कहा कि वैसे सीएम केजरीवाल को 11 मई को कोर्ट से सत्ता मिलने के बाद अचानक ये बात 13 मई को ही क्यों पता चली? कमाल है।

सरकार के सूत्रों ने कहा कि राजशेखर को 15 दिनों के भीतर फ्लैगस्टाफ रोड पर रिपोर्ट देनी थी और यह अवधि सोमवार को समाप्त हो गई। भारद्वाज के आदेश के जवाब में अधिकारी ने सचिव, सतर्कता और मुख्य सतर्कता अधिकारी को लिखा है कि उनका स्थानांतरण अवैध है। उनका जवाब था- अधोहस्ताक्षरी (राजशेखर) को कर्तव्यों का पालन करने से रोका जा रहा है और मुझे आबकारी मामले, 6, फ्लैगस्टाफ रोड, सिविल लाइंस, डीआईपी (सूचना और प्रचार विभाग) जैसे संवेदनशील मामलों से संबंधित रिकॉर्ड के गंभीर खतरे और विचलन की आशंका है ... अनुरोध है कि मंत्री (सतर्कता) द्वारा जारी आदेश पर रोक लगाने के लिए इस मामले को उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाया जाए।

विपक्षी एकता को लेकर ममता बनर्जी के बयान पर अखिलेश सहमत

लखनऊ। कर्नाटक में कांग्रेस के जबरदस्त जीत के बाद विपक्षी दलों के हौसले बुलंद हैं। इन सबके बीच ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि जहां कहीं भी कांग्रेस मजबूत होगी, तृणमूल कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। 2024 चुनाव के मद्देनजर ममता बनर्जी ने बड़ी बात कही है। सभी विपक्षी दलों की ओर से ममता बनर्जी के इस बयान का स्वागत किया जा रहा है। इन सब के बीच समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी के इस बयान का स्वागत किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, केसीआर और विभिन्न राजनीतिक दल इसका रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। जहां भी कोई पार्टी मजबूत होगी, उन सभी जगहों पर चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

आपको बता दें कि पिछले दिनों में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के बीच मुलाकात हुई थी। उसके बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। यह तीनों नेता लगातार विपक्षी एकजुटता को लेकर सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। बनर्जी ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा था कि जहां भी कांग्रेस मजबूत है, उन्हें लड़ने दीजिए। हम उन्हें समर्थन देंगे, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन उन्हें अन्य राजनीतिक दलों का भी समर्थन करना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, समर्थन हासिल करने के लिए कांग्रेस को अन्य दलों का भी समर्थन करना होगा।

हटाए जाएंगे कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष, जोशी ने दिया संकेत

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नलिन कुमार कतील को बदला जा सकता है। वह पहले ही तीन साल का अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

दक्षिण कन्नड़ से तीन बार लोकसभा सदस्य रहे कतील को अगस्त 2019 में तीन साल के कार्यकाल के लिए राज्य इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था। आसन्न चुनावों के मद्देनजर उन्हें पिछले साल सेवा विस्तार दिया गया था। गत 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से

बेदखल कर दिया था।

राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जनता दल (सेक्युलर) को 19 सीटें मिलीं। धारवाड़ से लोकसभा सदस्य और केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री जोशी ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल से चर्चा के बाद यह फैसला किया जाएगा कि विधानसभा में विपक्ष का नेता कौन होगा। उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि उनका (कतील का) तीन साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है। (विधानसभा) चुनाव के मद्देनजर हमारे राष्ट्रीय नेताओं ने उन्हें जिम्मेदारी दी थी। हमारे नेता आगे का फैसला करेंगे।'' जोशी ने लोगों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए कांग्रेस से जल्द से जल्द सरकार बनाने की भी अपील की। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद भाजपा के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर जोशी ने कहा कि पार्टी आत्ममंथन करेगी। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही कह चुके हैं कि यह भाजपा के लिए सबसे निराशाजनक परिणाम है। चुनाव में इस तरह के घटनाक्रम होते रहते हैं। हमें कारण का पता लगाना होगा।'' उन्होंने कहा कि न तो उन्होंने और न ही पार्टी ने विधानसभा चुनाव में मिली हार को हल्के में लिया है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, परिणाम को एक चुनौती के रूप में लिया गया है। उन्होंने कहा, ''हम लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस रहे हैं और हम जीतेंगे।'' गत 13 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कतील ने कहा था कि राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में वह चुनाव में पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप की मेजबानी छिनने के डर से बौखलाया पाकिस्तान

नईदिल्ली। एशिया कप को लेकर तनाव जारी है। एशिया कप को लेकर पाकिस्तान को मेजबानी दी गई थी। लेकिन भारत ने वहां जाने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इसके बाद कई अन्य क्रिकेट बोर्डों ने भारत का समर्थन किया है। इसके बाद ऐसी स्थिति बनी है जिससे कि एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान से छिन सकती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और वह लगातार भारत को धमकी दे रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी ने एक बार फिर कहा है कि इस बात की बहुत वास्तविक संभावना है कि अगर पाकिस्तान एशिया कप के मेजबानी अधिकार खो देता है तो वह भारत में 2023 विश्व कप का बहिष्कार करेगा।

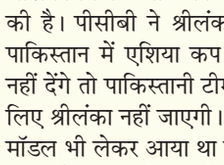

नजम सेठी ने साफ तौर पर कहा कि भारत को यह स्थिति नहीं बनाना चाहिए। ऐसी स्थिति जहां हम एशिया कप और विश्व कप का भी बहिष्कार करते हैं...और फिर भारत चैंपियंस ट्रॉफी का बहिष्कार करता है...यह एक बड़ी गड़बड़ी होगी। आपको बता दें कि बीसीसीआई के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी कहा है कि एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान के बाहर होना चाहिए। श्रीलंका एशिया कप के नए वेन्यू के तौर पर उभरकर सामने आया। लेकिन पीसीबी इसे मानने के लिए तैयार ही नहीं है। इतना ही नहीं, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को भी धमकाने की कोशिश की है। पीसीबी ने श्रीलंका से कहा कि अगर वे पाकिस्तान में एशिया कप को लेकर उसका साथ नहीं देंगे तो पाकिस्तानी टीम टेस्ट सीरीज खेलने के लिए श्रीलंका नहीं जाएगी। पाकिस्तान एक हाईब्रिड मॉडल भी लेकर आया था जिसमें कहा गया था कि भारत के मुकाबले किसी अन्य देश में कराए जा सकते हैं। बाकी के पाकिस्तान में होंगे। फिलहाल खबर यह है कि पाकिस्तान के इस मॉडल को भी खारिज कर दिया गया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

प्रति यूजर से कमाई के मामले में जियो से आगे एयरटेल

नईदिल्ली। भारती एयरटेल ने मंगलवार को 31 मार्च को समाप्त तिमाही के लिए अपने राजस्व में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 2021-22 में इसी तिमाही में 31,500 करोड़ रुपये से अब इस साल 36,009 करोड़ रुपये हो गई है। इसी तिमाही में, भारती एयरटेल के भारत के कारोबार में 12.2त्न राजस्व वृद्धि देखी गई, जो 25,250 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। भारती एयरटेल ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त चौथी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 49.2 प्रतिशत की छलांग लगाकर 3,005.6 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 2,007.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी का औसत राजस्व प्रति यूजर (एआरपीयू) 193 रुपये था, जो पिछली तिमाही की तुलना में तो बिल्कुल नहीं बढ़ा, लेकिन साल-दर-साल 8.4 प्रतिशत बढ़ा। पिछले महीने, मार्केट लीडर रिलायंस जियो ने बताया था कि उनकी चौथी तिमाही में एआरपीयू 178.8 रुपये थी।

फर्जी जीएसटी पंजीकरण पर नकेल कसने विशेष अभियान

नईदिल्ली। फर्जी जीएसटी पंजीकरण का पता लगाने और फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावे का अनुचित फायदा उठाने वाले धोखेबाजों की पहचान के लिए केंद्र एवं राज्यों के कर अधिकारियों ने दो महीने का एक विशेष अभियान शुरू किया है। ऐसे लोग माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मंच पर फर्जी पंजीकरण कराने के बाद उसके आधार पर धोखेबाज फर्जी रसीदों के सहारे आईटीसी के दावे करते हैं और किसी भी तरह की सेवा या उत्पाद की आपूर्ति के बगैर ही वह राशि अपने खाते में जमा करा लेते हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी कर चोरी होने का अनुमान है। इस दौरान जीएसटी आसूचना महानिदेशालय ने 21,000 करोड़ रुपये की कर वसूली भी की। इसे देखते हुए कर अधिकारियों ने फर्जी पंजीकरण पर नकेल कसने की कवायद शुरू की है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का पहली तिमाही में दोगुना से ज्यादा हुआ मुनाफा

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 4,775.33 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज आय बढ़ने और फंसे कर्ज के लिये प्रावधान कम होने से बैंक ने अधिक मुनाफा कमाया है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 1,778.77 करोड़ रुपये था। बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्याज आय 2022-23 की चौथी तिमाही में बढ़कर 25,857 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 18,174 करोड़ रुपये थी। फंसे कर्ज के एवज में प्रावधान मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में करीब आधा होकर 1,420 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3,736 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का शुद्ध लाभ करीब दोगुना होकर 14,109 करोड़ रुपये रहा।

टोयोटा ने पेश की नई एसयूवी यारिस क्रॉस

नई दिल्ली। जापानी कार कंपनी टोयोटा की ओर से नई एसयूवी यारिस क्रॉस को एशियाई देशों के लिए पेश कर दिया गया है। यूरोप और जापान के बाद इसे एशियाई देशों में भी ऑफर किया गया है। टोयोटा ने यारिस क्रॉस को अपने टीएनजीए प्लेटफॉर्म पर बनाया है। लेकिन एशियाई बाजारों में इसे थोड़ा अलग तरीके से रखा जा सकता है। ओवरऑल ड्राइविंग डायनैमिक्स को नई एसयूवी में एशियाई बाजारों के मुताबिक रखा जा सकता है। इसके साथ ही इसे पेट्रोल और हाइब्रिड पावरट्रेन के विकल्प के साथ लाया जाएगा। इसमें ट्रैपेजॉइडल ग्रिल, स्किड प्लेट, रग्ड बंपर, बॉडी क्लैडिंग, अलॉय व्हील्स, टू-पीस टेल लैंप, स्क्वैरिश व्हील आर्च, 10.1 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, सात इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक सनरुफ, पावर्ड ड्राइवर सीट, वायरलैस चार्जर, पावर्ड टेलगेट जैसे फीचर्स को दिया जाएगा।

बढ़ गई है विदेश व्यापार घाटे की चुनौती

जयंतीलाल भंडारी

इसी महीने चार मई को फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के एक कार्यक्रम में यह बात एक मत से रेखांकित हुई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आने वाला समय देश से निर्यात के लिए काफी चुनौतीपूर्ण व कठिन होने जा रहा है। ऐसे में हमें जहां निर्यात के नए बाजार खोजने होंगे, वहीं कम जरूरी उत्पादों का आयात नियंत्रित करना होगा। तभी देश के विदेश व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से उत्पादों का निर्यात 447 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 323 अरब डॉलर यानी कुल 770 अरब डॉलर रहा है। यद्यपि यह देश से निर्यात का सर्वोच्च स्तर है, लेकिन वर्ष 2022-23 में भारत का कुल व्यापार घाटा इससे पिछले वर्ष के 83 अरब डॉलर से बढ़कर 122 अरब डॉलर हो गया है। अब इस वर्ष व्यापार घाटे के और बढ़ने की आशंका है। भारत अपने कुल उत्पाद निर्यात का सबसे अधिक करीब 17.50 फीसदी निर्यात अमेरिका को करता है, जो मंदी की चपेट में आता दिख रहा है।

अमेरिका में महंगाई चरम पर है और इसे रोकने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक लगातार ब्याज दरों में इजाफा कर रहा है। यूरोप की आर्थिक दशा भी ठीक नहीं चल रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप के अधिकतर देश गैस व खाद्य संकट से जूझ रहे हैं, जिससे वहां महंगाई बढ़ने के साथ औद्योगिक उत्पादन भी कम हो गया है। संभवतः यही कारण है कि वाणिज्य विभाग की तरफ से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कोई निर्यात लक्ष्य अब तक तय नहीं किया गया है। पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद व सेवा निर्यात जिस ऊंचाई पर रहा, इस बार निर्यात

को उस ऊंचाई तक पहुंचाना आसान नहीं दिख रहा है।

दूसरी ओर, बढ़ते हुए आयात को रोकना भी मुश्किल है। भारत का कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 892 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 760 अरब डॉलर था। आयात में कमी लाना चुनौती है। यद्यपि चीन और भारत के बीच सीमा पर लगातार तनाव बढ़ा हुआ है, फिर भी विदेश व्यापार के क्षेत्र में भारत की चीन पर निर्भरता बनी हुई है।

निश्चित रूप से चालू वित्तीय वर्ष में विदेश व्यापार में घाटे को नियंत्रित करने के लिए आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि करने के विभिन्न रणनीतिक कदम उठाने होंगे। चीन सहित विभिन्न देशों से घटिया और कम गुणवत्ता मानक वाले आयात को नियंत्रित करने की जरूरत है। सरकार ने उपभोक्ता की सुरक्षा व उनकी जिंदगी से जुड़े घटिया व कम गुणवत्ता के 2,000 से अधिक उत्पादों को चिह्नित किया है। अब उनके आयात नियंत्रण पर ध्यान देना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए एक अप्रैल, 2023 से लागू नई विदेश व्यापार नीति, 2023 का कारगर क्रियान्वयन जरूरी है। इसके तहत इंसेंटिव की जगह टैक्स और विभिन्न शुल्क में राहत देते हुए निर्यात संबंधी काम को आसान बनाने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करके वर्ष 2030 तक देश से उत्पाद एवं सेवा निर्यात दो लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। नई विदेश व्यापार नीति के तहत सरकार ने निर्यात के दायरे को बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने की घोषणा की है, जिससे निर्यात से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी दूर होगी। निस्संदेह इस समय जब वैश्विक आर्थिक एवं व्यापार चुनौतियों के बीच कुल वैश्विक निर्यात में भारत का योगदान करीब 1.8 फीसदी और वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा दो फीसदी से भी कम है, तब व्यापार घाटा कम करना सचमुच चुनौतीपूर्ण है। देश के विदेश व्यापार के सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं। देश में माल परिवहन की लागत बहुत ऊंची 13-14 फीसदी है। विश्व बैंक के मुताबिक, भारत लॉजिस्टिक खर्च के मामले में दुनिया में बहुत पीछे है। शोध और नवाचार के मामले में भारत दुनिया में 40वें क्रम पर है। देश की श्रमशक्ति नई डिजिटल कौशल योग्यता से बहुत दूर है। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) के संतोषप्रद परिणाम अभी मिलने शुरू नहीं हुए हैं। इन सब पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है, ताकि निर्यात बढ़े, आयात नियंत्रित हो और विदेश व्यापार घाटे में कमी आ सके।

विपक्षी एकता अब कांग्रेस के बिना संभव नहीं

यशवंत व्यास

भाजपा के किले में सेंध लग गई है। और यह सेंध अप्रत्याशित नहीं थी। दिलचस्प बात यह है कि इस सारी राज-कथा में विकास और विन्यास का कोई गीत नहीं है। यह जीत के सनातन फॉर्मूलों का पुनर्चक्रीकरण मात्र है। भाजपा के जिस फार्मूले को बार-बार तीखी नजर से देखा जाता रहा है, वह है अखिल हिंदू पहचान स्थापित करने की कोशिश या प्रकारांतर से भारतीय सांस्कृतिक मूल के पुनरुत्थान का नारा- जिसे नरेंद्र मोदी की सर्वग्राही राजनीति ने वैध राजनीतिक मुद्रा में बदल दिया है। उस मुद्रा को संकट में लाना ही विपक्ष की स्वाभाविक प्राथमिकता रही है। विपक्ष जानता है कि मोदी की यह करेंसी आसानी से नहीं बनी है। पैन हिंदुइज्म या अखिल हिंदुत्व एक मोहक नारा हो सकता है, लेकिन भारतीय राजनीति में वोटर समुदाय की जटिल सामाजिक संरचना में इस नारे की अपनी शक्ति और अपनी कमजोरियां हैं। इसमें सतह के नीचे विपक्ष की विफलताओं और उसी तथाकथित सोशल इंजीनियरिंग का हाथ है, जिससे पहले कांग्रेस और फिर क्षेत्रीय क्षत्रपों की सत्ता बनती-बिगड़ती रही थी। सवाल इतना-सा है कि खोई हुई जमीन को फिर से कैसे क्लेम किया जाए? आज भी घोर आदर्शवादी व्याख्यान ठोंकने वाले राजनीति के पटवारी जब अपना इंच-टेप लेकर बैठते हैं, तब पूरी मुस्लिम आबादी को एक चंक मानते हैं और हिंदू मतदाताओं में जातियों के अलग-अलग चंक से उनको मिलाकर जिताऊ उम्मीदवार की संभावनाएं तय करते हैं। भ्रष्टाचार, गरीबी, शोषण और विकास इस फिल्म के आइटम नंबर मात्र रह जाते हैं। नरेंद्र मोदी की भाजपा ने इस मसाले का सत्य समझते हुए जब अपने कोर एजेंडे अखिल हिंदुत्व को धार दी, तो जातियों के सत्य पर भी समांतर काम किया। उन वर्गों की तलाश की गई, जिनकी हैसियत शोषितों-वंचितों की राजनीति के पारंपरिक खेल में हाशिये की रह गई थी। यह जानते हुए, कि अखिल भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जादू सिर्फ पुकार या त्रिपुण्ड से नहीं चल सकता, जमीनी आंकड़ों की जोड़ से चुनावी जीत का आधार तैयार किया गया। जाहिर है, इसके लिए धरातल पर वोट के गणित के साथ निरंतर फैलती बेचैनी, आर्थिक उथल-पुथल, विभिन्न स्तरों पर चल रहे आंतरिक संघर्ष, दमित होते रहने की प्रच्छन्न भावनाएं -सबको एक समन्वित शक्ति में तब्दील करते हुए विकासवादी और भ्रष्टाचार-विहीन शासक की छवि का निर्माण अनिवार्य था। इसके बिना राष्ट्रवाद का उत्तरीय नहीं फहरा सकता। इसी के लिए नरेंद्र मोदी 24 × 7 राजनीति करते हैं और खुद को झोंके रहते हैं। विपक्ष इस आक्रमण से काफी समय तक हतप्रभ रहा। उसके पास आंधी में बिखरा हुआ मनोबल था। अपनी-अपनी काराएं थीं। कर्नाटक की जीत से उसे एक आश्वस्ति मिली है। वह धीरे-धीरे अपने हितों के लिए मूर्च्छा से उबरने लगा है। उसका ध्यान उन फांकों पर फिर से गया है, जिनसे वह पारंपरिक अंतर्विरोधों को शक्ति बना सकता है। रामायण मेले तो वह भी कर सकता है और उन्हीं उद्योगपतियों को वह भी प्रोजेक्ट दे सकता है, जिनके खिलाफ बोलता है, और यह करने में कोई द्वैध नहीं है, इसे राजनीतिक तौर पर अच्छी तरह समझ लिया गया है। ध्रुवीकरण अब एक सच्चाई है, जिसे दबे -छुपे सबने स्वीकार कर लिया है। यह जिन्न लगातार भूखा रहता है और सिर मांगता रहता है। किसी को इसे बोतल में बंद करने की जल्दी नहीं है। जनता बनाम राजनीति के संकट, सपने, इच्छाएं और संतोष-वही तात्कालिक और सनातन रहने वाले हैं। अब आप देखते हैं कि हिमाचल की समस्या पुरानी पेंशन के खाते में ही सिमट गई। पंजाब बिना विचारधारा के आप को समर्पित हो गया। हिंदुत्व के नारे और राष्ट्रवादी सत्ता के संबंध क्या होते हैं, यह महाराष्ट्र में सबने देखा, जहां दूध और नींबू भी साथ घुलने को तैयार मिले। सत्य और सिद्धांत की बात एक मुद्रा है। सत्य की स्थापना इसमें है कि आप संख्याओं को कैसे पक्ष में कर सकते हैं। इसलिए कर्नाटक में टीपू सुल्तान और बजरंगबली बेहद उपयोगी मुहावरे हो गए। वहां जीत-हार की व्याख्या करने वाले अभी भी सबसे पहले सत्ता के भ्रष्टाचार या स्थानीय नेतृत्व की नाकामी की बात उतनी नहीं कर रहे, जितनी देवेगौड़ा के शक्ति-संचय या शक्ति-क्षय की। कहा जा रहा है कि कुमारस्वामी ने अपने उम्मीदवारों से जब साफ कह दिया कि हमारे पास चुनाव खर्च के पैसे नहीं हैं, तो दस से ज्यादा लोगों ने टिकट लौटा दिए थे। जबकि सर्वगुण संपन्न डीके शिवकुमार के चलते कांग्रेस आश्वस्त थी। पूछा जा रहा है कि भाजपा के वोटर तो वहीं रहे, उसका वोट प्रतिशत वही रहा, पर जेडीएस का मुसलमान वोटर भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस के साथ कितना गया? वोक्कालिगा और लिंगायतों का कितना हिस्सा कहां गया है? भाजपा से पार्टी छोड़कर जाने वाले कैसे जीत रहे हैं? कई सक्रिय धनपति राजनेताओं ने अपना रास्ता कैसे बना लिया है? संप्रभु राज्य, भारत जोड़ो,चालीस प्रतिशत या सिंगल इंजन- किसे ज्यादा सेलिब्रेट किया जाए? यानी राजनीतिक जीवन-मरण के प्रश्न उसी स्थायी टेक पर आकर खड़े हो गए हैं।

कांग्रेस की जीत स्थानीय नेतृत्व की जीत है

सच्चिदानंद सच्चू

भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण भारत में अपने एकमात्र दुर्ग में करारी शिकस्त मिली है। वैसे वोटिंग प्रतिशत को देखें तो पाएंगे कि कांग्रेस का वोट प्रतिशत लगभग 5 प्रतिशत बढ़ा है। 2018 में वह 38 प्रतिशत था, जो इस बार 43 प्रतिशत हो गया है। बीजेपी का मत कमोबेश वही 36 प्रतिशत है, जितना 2018 में था। जेडीएस का मत 18.4 से घटकर 13.3 प्रतिशत हो गया है। उसमें करीब पांच फीसदी की गिरावट आई है। साफ है कि जेडीएस का घटा वोट कांग्रेस को मिला और परिणामों में इतना अंतर आपके सामने है। बीजेपी के लिए इस हार से उबरना मुश्किल नहीं है, पर कांग्रेस हारती, तो उसका उबरना मुश्किल था। उसने स्पष्ट बहुमत हासिल करके मुकाबले को ही नहीं जीता, बल्कि यह जीत उसके लिए निर्णायक मोड़ साबित होगी। पर यह नहीं मान लेना चाहिए कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के प्रति जनता के बदले हुए मूड का यह संकेत है। लोकसभा चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं। साल के अंत में तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम विधानसभाओं के चुनाव भी होंगे। मिजोरम को छोड़ दें, तो शेष सभी राज्य महत्वपूर्ण हैं। रणनीति में धार देने के कई मौके अभी बीजेपी को मिलेंगे।

इस जीत के बाद सुनने में आ रहा है कि यह राहुल गांधी की जीत है। उनकी भारत जोड़ो यात्रा की विजय है। ध्यान से देखें, यह स्थानीय नेतृत्व की विजय है। राज्य के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर होना महत्वपूर्ण साबित हुआ, पर कांग्रेस की जीत के पीछे राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका सीमित है। खड़गे को भी कन्नाडिगा के रूप में देखा गया। वे राज्य के वोटरों से कन्नड़ भाषा में संवाद करते हैं। कांग्रेस ने कन्नड़-गौरव, हिंदी-विरोध नंदिनी-अमूल और उत्तर-दक्षिण भावनाओं को बढ़ाने का काम भी किया। इन बातों का असर आप देख सकते हैं। दूसरी तरफ बीजेपी के नेतृत्व की भूमिका देखें। 2021 में येदियुरप्पा को जिस तरह हटाया गया, वह क्या बताता है?

हिमाचल जीतने के बाद कर्नाटक में भी विजय हासिल करना कांग्रेस की उपलब्धि है। अब वह राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में अधिक उत्साहित नजर आएगी। मल्लिकार्जुन खड़गे को इस बात का श्रेय मिलेगा कि उन्होंने अपने गृहराज्य में पार्टी को जीत दिलाई। कांग्रेस के पास यह आखिरी मौका था। कर्नाटक जाता, तो बहुत कुछ चला जाता। राहुल और खड़गे के अलावा कर्नाटक में कांग्रेस के सामाजिक-फॉर्मूले की परीक्षा भी थी। यह फॉर्मूला है अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़ी जातियाँ। इसकी तैयारी सिद्धारमैया ने सन 2015 से शुरू कर दी थी, जब उन्होंने राज्य की जातीय जनगणना कराई। उसके परिणाम घोषित नहीं हुए, पर सिद्धारमैया ने पिछड़ों और दलितों को 70 फीसदी आरक्षण देने का वादा जरूर किया। आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं किया जा सकता था, पर उन्होंने कहा कि हम इसे 70 फीसदी करेंगे। ऐसा तमिलनाडु में हुआ है, पर इसके लिए संविधान के 76वां संशोधन करके उसे नवीं अनुसूची में रखा गया, ताकि अदालत में चुनौती नहीं दी जा सके। कर्नाटक में यह तब तक संभव नहीं, जब तक केंद्र की स्वीकृति नहीं मिले।

लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस मज़बूत पार्टी के रूप में उभरना चाहती है। इसी आधार पर वह विरोधी गठबंधन का राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करना चाहती है। साथ ही वह इसे बीजेपी के पराभव की शुरुआत के रूप में भी देख रही है। इस विजय से उसके कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन हुआ है। राज्य में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों शीर्ष नेता अपने चुनाव जीत गए हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के कई मंत्री परास्त हुए हैं। निवर्तमान मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई जरूर जीत गए हैं। अंतिम समय में बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में गए जगदीश शेट्टार हार गए हैं, जबकि लक्ष्मण सावदी को जीत मिली है।

राज्य में कांग्रेस के अंतर्विरोधों पर भी नजर डालनी होगी। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार में से किसी एक का चयन आसान नहीं होगा। अब सवाल होगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? अभी तक पार्टी अपनी एकता का प्रदर्शन करती रही है। पिछले साल अगस्त में सिद्धारमैया के 75वें जन्मदिवस पर राहुल गांधी ने मंच पर दोनों को गले लगने का सुझाव देकर इस एकता को ही व्यक्त किया था, पर व्यावहारिक दृष्टि से अब एकता कायम करने की जरूरत होगी। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि एवं शक्ति की पांच गारंटी दोहराई हैं। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में जनता से वादा किया है कि अगर वे सत्ता में आए, तो गृह ज्योति के तहत 200 यूनिट निःशुल्क बिजली दी जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस ने पशुपालन को बढ़ावा देने और गांवों में कम्पोस्ट खाद केंद्र स्थापित करने के लिए गाय का गोबर 3 रुपये प्रतिकिलो खरीदने का वादा किया है। युवा निधि के तहत बेरोजगार स्नातकों को एक माह में तीन-तीन हजार रुपये तथा डिप्लोमाधारी बेरोजगारों को डेढ़-डेढ़ हजार रुपये दिए जाएंगे। शक्ति योजना के तहत सभी महिलाओं को राज्य भर में केएसआरटीसी/बीएमटीसी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इन वायदों की परीक्षा इसके बाद होगी।

बीजेपी को उम्मीद थी कि कांग्रेस की तरफ मुसलमानों के झुकाव के कारण हिंदुओं का झुकाव भाजपा की तरफ होगा, जो लगता है कि उसकी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में पीएफआई की तरह बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की जो घोषणा की थी, उससे अंदेशा था कि वोटर की नाराजगी व्यक्त होगी। पर ऐसा हुआ नहीं। राज्य में ध्रुवीकरण हिजाब के विवाद के साथ ही शुरू हो गया था। बीजेपी ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का वायदा किया था और चुनाव के ठीक पहले मुसलमानों को मिलने वाले चार फीसदी आरक्षण को खत्म करके लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों के बीच बांट दिया था। लगता है कि कांग्रेस को राज्य में जेडीएस के पराभव का लाभ भी मिला। जेडीएस को मिलने वाले मुस्लिम और दलित वोट कांग्रेस के पाले में गए हैं। राज्य में मुसलमान वोटर 13 से 16 प्रतिशत के बीच हैं। 35 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां मुसलमानों की आबादी बीस प्रतिशत या उससे ज़्यादा है। इसके अलावा 90 सीटों पर मुसलमान वोटर चुनाव को प्रभावित करते हैं। किसी न किसी स्तर पर कांग्रेस और मुस्लिम पार्टी एसडीपीआई के बीच भी सहमति रही है। एसडीपीआई ने पहले 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, पर बाद में केवल 18 पर ही प्रत्याशी खड़े किए।

बीजेपी को 2018 के विधानसभा चुनाव में 104 सीटें मिली थीं। इस लिहाज से तो उसे धक्का लगा ही है, पर ज्यादा बड़ा धक्का 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के समानांतर लगा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले 51.7 प्रतिशत वोटों से विधानसभा क्षेत्रवार विश्लेषण करने पर 177 सीटें बनती थीं। अब उसकी आधी से भी कम सीटें रह गई हैं। इस लिहाज से यह ज्यादा बड़ी विफलता है। हालांकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोटर की दिलचस्पी एक जैसी नहीं होती, पर इस परिणाम का 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भी महत्व है। बीजेपी ने बीएस येदियुरप्पा को फिर से मुख्यधारा में शामिल नहीं किया होता, तो यह चुनाव कांग्रेस के लिए वॉक ओवर होता। पार्टी को समझ में आया कि लिंगायत वोट भी चला गया तो, पार्टी की नैया डूब जाएगी। येदियुरप्पा ने ही 2008 में अपने दम पर बीजेपी को कर्नाटक में जीत दिलाई थी। 2021 के बाद बीजेपी की सरकार अलोकप्रिय होती चली गई। पार्टी ने बड़ी संख्या में पुराने दिग्गजों का पत्ता काटा और करीब एक तिहाई नए प्रत्याशियों को उतारा। बीजेपी मानकर चल रही थी कि इस चुनाव में कोई लहर नहीं है, पर 73.19 प्रतिशत के रिकॉर्ड मतदान से यह समझ में आ जाना चाहिए कि कोई अंडर करेंट था, जो बीजेपी के पक्ष में नहीं था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-9)

गतांक से आगे...

(संन्यासी) सतत भिक्षावृत्ति पर ही आश्रित रहे। हमेशा एक ही घर से भोजन नहीं ग्रहण करना चाहिए। जो शान्त भाव से उसकी राह देखते हों, उन्हीं के यहाँ प्रयासपूर्वक भोजन के लिए जाना चाहिए। संन्यासी को श्रेष्ठ आचरण वाले पाँच या सात घरों में भिक्षा के लिए जाना चाहिए तथा गौ के दोहन में जितना समय लगता है, उतनी ही देर तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। वह जहाँ से एक बार भिक्षा ग्रहण कर ले, वहाँ पुनः नहीं जाना चाहिए। रात्रि के आहार (भोजन) से उपवास अधिक श्रेष्ठ है, उपवास की अपेक्षा अयाचित अर्थात् बिना माँगी हुई भिक्षा अधिक श्रेष्ठ है। अयाचित भिक्षा की अपेक्षा माँगकर खाना कहीं अधिक श्रेष्ठ है। अतः यथा सम्भव भिक्षा का ही आश्रय लेना चाहिए। भिक्षा काल में सव्य- अपसव्य (दायें-बायें) मार्ग से घर में प्रविष्ट नहीं होना चाहिए। जिस घर में किसी तरह का दोष न हो, उसे भूल या मोह से भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए (वहाँ भिक्षा ग्रहण कर लेनी चाहिए)।

यदि श्रोत्रिय अर्थात् वेदज्ञ श्रद्धा-भक्ति से विहीन हो, तो उसके यहाँ भिक्षा नहीं स्वीकार करनी चाहिए तथा जो संस्कार विहीन (व्रात्य) भी यदि श्रद्धा-भक्ति रखता हो, तो उसके यहाँ भिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। (संन्यासियों की) भिक्षा पाँच तरह की कही गयी है असंकल्पित माधूकर, प्राक्प्रणीत, अयाचित, तात्कालिक तथा उपपन्न। मन में किसी भी तरह का संकल्प किये बिना किन्हीं तीन, पाँच अथवा सात घरों में से मधुमक्खी के सदृश थोड़ी-थोड़ी भिक्षा ग्रहण करना असंकल्पित माधूकर है। प्रातः काल अथवा पिछले दिन कोई भी मनुष्य भक्तिपूर्वक भिक्षा के लिए निवेदन करे, तो उसके यहाँ जो भिक्षा ग्रहण की जाती है, उसे प्राक्प्रणीत भिक्षा कहते हैं। भिक्षा के लिए विचरण करते समय संन्यासी को यदि कोई (व्यक्ति) निमंत्रित करे, तो उस (व्यक्ति) के यहाँ (अयाचित) भिक्षा ग्रहण कर लेना चाहिए।

भिक्षा के लिए निकलते समय (संन्यासी को) यदि कोई ब्राह्मण उसके समीप में आकर भोजन करने को कहे, तो उस तात्कालिक भिक्षा को सदा ही स्वीकार कर सकता है। यदि कोई ब्राह्मण मठ (आश्रम) में सिद्ध (तैयार करके भोजन ले आये, तो उसे साधु उपपन्न भिक्षा कहते हैं।

क्रमशः ...

विश्व दूरसंचार दिवस

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

आज के त्वरित दूर संचार साधनों के विकास ने सूचना आदान-प्रदान के क्षेत्र में अभूतपर्व क्रांति का सूत्रपात किया है। टेलीग्राफ से लेकर इंटरनेट के आते-आते सूचना प्रवाह अकल्पनीय बन गया। आज 17 मई को जबकि विश्व दूर संचार दिवस का आयोजन प्रति वर्ष 1969 से किया जा रहा है इंटरनेट की उपयोगिता पर चर्चा कर रहे हैं।

इंटरनेट ने संचार क्षेत्र में जिस तेजी से अपनी पहचान बनाई और शक्ति का अहसास कराया दुनिया मुठ्ठी में सिमट कर रह गई। इंटरनेट के विकास का ही परिणाम है कि छोटे से मोबाइल से हम सम्पूर्ण विश्व के किसी भी कोने के बारे में घर बैठे आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। संसार में क्या घटित हो रहा है पल-पल की सूचना प्राप्त कर सकते है। घर पर ही नहीं कहीं भी क्यों न हो, बस में, रेल में, हवाई जहाज में, समुद्री जहाज में, आफिस में, बाजार में कोई जगह ऐसी नहीं की जहां इंटरनेट की पहुँच न हो। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस माध्यम ने अपनी प्रभावी पैठ बना ली है।

सर्वव्यापी और सार्वभौम बन गया है सूचना क्रांति का यह माध्यम। इस के महत्व को इसी से समझ जा सकता है कि मोबाइल का नेट चार्ज कब खत्म हो रहा है हमें चिंता बनी रहती है। किसी भी अन्य काम में हम विलंब कर देते हैं पर नेट का चार्ज समय पर ही करा लेते हैं। ऐसा न हो कि नेट खत्म हो जाये। इंटरनेट पर आधारित मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर, लेपटॉप आदि साधन हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। आज के दिन संचार माध्यमों के महत्व के प्रति जागरूक करते हैं। हमारा भारत देश दूर संचार क्रांति की वजह से ही विकासशील देशों में तेजी से आगे बढ़ा है और हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती को भी पंख लगे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत लम्बी छलांग लगा रहा है।

दूरसंचार के इस माध्यम ने जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा नही छोड़ा जो अछूता हो। मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी, व्यापार, कृषि, रोजगार, उद्योग, पर्यावरण आदि क्षेत्रों में बहुआयामी जागरूकता और विकास के साथ-साथ संस्कृति संरक्षण, धर्म एवं आध्यात्म का वातावरण बनाने का प्रभावी माध्यम बन गया है। अनेक वेब साइट और एप्स हैं विभिन्न जानकारी प्राप्त करने के लिए। चैनल्स पर निरंतर नवीन समाचारों का प्रसारण होता रहता हैं।

कोरोना महामारी की विषम परिस्थिति में जब कि सभी को घर मे रहने को बाध्य होना पड़ रहा है ऐसे में यह माध्यम वरदान सिद्ध हो रहा है। बच्चें इस माध्यम से पेंटिंग्स, संगीत, नृत्य, वाद्य वादन, वीडियो बनाना सीखने के साथ-साथ शिक्षा में भरपूर उपयोग कर अपनी रचनात्मकता को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। इंटरनेट माध्यम जहां जीवनशैली में वरदान के रूप में जुड़ गया वही इस से साइबर क्राइम, अश्लीलता जैसी चुनोतियाँ भी सामने हैं। हमें इनसे सावधान रह कर अफवाहों से भी बचना होगा।

पाकिस्तान में पहली बार फौज के विरोध में उतरी अवाम

राजेश बादल

दो गुट हैं। एक तरफ फौज और शाहबाज शरीफ की गठबंधन सरकार है। दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय तथा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी। इन दो पाटों के बीच पिस रही है आम अवाम। पर इस बार लोग सेना से तंग आकर पूरी तरह लोकतंत्र चाहते हैं। पहले फौज और इमरान खान की सरकार एकजुट थी तो नवाज शरीफ के मामले आला अदालत में थे। उस समय भी उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट के सामने धरने पर बैठी थी। अब न्यायपालिका का पलड़ा इमरान खान के पक्ष में झुका है तो सरकार न्यायपालिका के रवैये के खिलाफ धरने पर बैठी है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए उनको रिहा करने के आदेश दिए थे। इमरान खान के खिलाफ पद पर रहते हुए मिले तोहफों की हेराफेरी के आरोप हैं। यह अलग बात है कि इमरान खान के पार्टी कार्यकर्ता देश भर में हिंसा और उपद्रव कर रहे हैं। इस हिंसा में अनेक जानें जा चुकी हैं। लेकिन इन सबके पीछे सकारात्मक बात यह है कि पहली बार पाकिस्तानी जनता का अपनी ही सेना से मोहभंग हुआ है। लोग जान की परवाह न करते हुए फौज के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। सेना के लिए यह बड़ा झटका है।

सवाल यह है कि क्या इस तरह सेना का बैकफुट पर जाना पाकिस्तान के भविष्य के लिए बेहतर है। इस देश ने जब से दुनिया के नक्शे में आकार लिया, तब से कुछ अपवाद छोड़कर फौज ही उस पर हुकूमत करती रही है। उसने न तो लोकतंत्र पनपने दिया और न निर्वाचित सरकारें उसके इशारे के बिना ढंग से राज कर

पाई हैं। संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की अत्यंत संक्षिप्त सी पारी छोड़ दें तो कोई भी राजनेता सेना के साथ तालमेल बिठाकर ही काम कर पाया है। हालांकि अंतिम दिनों में जिन्ना भी अपनी छवि में दाग लगने से नहीं रोक पाए थे। उनको उपेक्षित और हताशा भरी जिंदगी जीनी पड़ी थी। वे अवसाद में चले गए थे। फौज शनैः शनैः निरंकुश होती गई और उसके अफसर अपने-अपने धंधे करते रहे। छवि कुछ ऐसी बनी कि यह मुहावरा प्रचलित हो गया कि विश्व के देशों की हिफाजत के लिए सेना होती है, लेकिन एक सेना ऐसी है, जिसके पास पाकिस्तान नामक एक देश है। जाहिर है कि सेना निरंकुश और क्रूर होती गई है।

यह फौज जुल्फिकार अली भुट्टो को प्रधानमंत्री भी बनवाती है और सरेआम फांसी पर भी लटकाती है, बहुमत से चुनाव जीतने के बाद भी बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान को जेल में डाल सकती है और अपने पागलपन तथा वहशी रवैये से मुल्क के दो टुकड़े भी होने दे सकती है। बेनजीर भुट्टो की हत्या भी ऐसी ही साजिश का परिणाम थी। कारगिल में घुसपैठ कराके अपनी किरकिरी कराने वाली भी यही फौज है। यानी इस सेना को जम्हूरियत तभी तक अच्छी लगती है, जब तक हुक्मरान उसके इशारों पर नाचते रहें। देश का पिछड़ापन और तमाम गंभीर मसले उसे परेशान नहीं करते। वह यह भी जानती है कि हजार साल तक साझा विरासत के साथ रहते आए लोग जब तक हिंदुस्तान से नफरत नहीं करेंगे, तब तक उसकी दुकान ठंडी रहेगी। इसलिए वह जब तब कोशिश करती है कि भारत और पाकिस्तान की अवाम के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और घृणा बनी रहे। काफी हद तक उसके ऐसे प्रयास कारगर भी रहे और मुल्क का एक वर्ग फौज को अपना नायक मानता रहा।

अब अपने इसी हीरो से पाकिस्तान के आम नागरिक का मोहभंग हो रहा है। नागरिकों ने देख लिया है कि सेना उसकी समस्याओं का समाधान करने में नाकाम रही है। देश में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, आतंकवादी वारदातें कम नहीं हो रही हैं, उद्योग-धंधे चौपट हैं, सारे विश्व में पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है और यह देश दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया है। इमरान और शाहबाज शरीफ कल भी फौज की कठपुतली थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। आज यदि सेना इमरान को प्रधानमंत्री बना दे तो वे फिर फौज के गीत गाने लगेंगे और शाहबाज शरीफ को सेना गद्दी से उतार दे तो वे उसके खिलाफ धरने पर बैठ जाएंगे।

तात्पर्य यह है कि हुक्मरानों और सेना से जनता त्रस्त हो चुकी है। फौज के खिलाफ आम नागरिक सड़कों पर उतर आएं और फौजी अफसर उनका मुकाबला न कर पाएं, देश के इतिहास में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है, जब जनरल अयूब खान को राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्जा ने पाकिस्तानी सेना का मुखिया बनाया था। बीस दिन बीते थे कि अयूब खान ने सैनिक विद्रोह के जरिये मिर्जा को ही पद से हटा दिया। वे 11 साल तक पाकिस्तान के सैनिक शासक रहे। इस दरम्यान अवाम कुशासन से त्रस्त हो गई। लोग सड़कों पर उतर आए और अयूब खान को सत्ता छोड़नी पड़ी। पाकिस्तान के इतिहास में यह सबसे बड़ा जन आंदोलन था। यह अलग बात है कि अयूब खान जब देश छोड़कर भागे तो अपना उत्तराधिकार भी एक जनरल याह्या खान को सौंप गए। इस प्रकार फिर फौजी हुकूमत देश में आ गई।

अयूब खान के बाद यह दूसरा अवसर आया है, जब भारत का यह पड़ोसी लोकतंत्र के लिए सड़कों पर है। जनता अब जम्हूरियत चाहती है। उधर फौज अपना अस्तित्व और साख बचाने के लिए लड़ रही है। राहत की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट नाजुक वक्त पर मजबूती दिखा रहा है। यह पाकिस्तान में लोकतंत्र बहाली के लिए आवश्यक है। भारतीय उपमहाद्वीप भी अब यही चाहता है कि शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान में लोकतंत्र बहाल हो। एक ऐसा लोकतंत्र, जो अपने पैरों पर खड़ा हो सके और करोड़ों लोगों का भला हो सके।

बापू की दिनचर्या

जलपान (भाग-3)

गतांक से आगे...

सन् 1920 में ये सुबह के जलपान में बकरी के गरम दूध में लाल मुनक्का डालकर डबल रोटी के दो टोस्ट के साथ लेते। सन् % 22 में यरवदा जेल में वे प्रतिदिन सुबह किशमिश अच्छी तरह साफ कर लेते। वहाँ उन दिनों कुछ अस्वस्थ होते हुए भी वे फल नहीं लेते। बाहर लाठीचार्ज हो रहा था। बाजार से फल मंगवाना उनको नापसंद था। काका साहब कालेलकर के विशेष प्रयत्न एवं आग्रह के बाद उन्होंने पपीता खाया। साबरमती में सन् 1925 में प्रातः लगभग साढ़े छह बजे वे जलपान करते, जिसमें राव, भुने हुए आटे और गुड़ से निर्मित चाय सरीखा पतला गरम पेय, खास तालीम प्राप्त एक भाई द्वारा बनाई गई हाथचक्की के मोटे आटे की ब्राउन ब्रेड और दूध-ये चीजें रहतीं यरवदा जेल में सन् % 32 में अस्पृश्यता निवारण संबंधी अपने ऐतिहासिक उपवास के बाद वे नारंगी, मौसम्मी, अंगूर या अनार का रस पूर्ण रूप से लेते। उन दिनों वहाँ वे टमाटर का रस भी लेते। आगा खाँ महल में सुबह मौसम्मी का रस लेते। सेवाग्राम में किसी समय सुबह के जलपान में वे खजूर के रस का गुड़ लिया करते। जीवन के अंतिम दिन सुबह पौने छह बजे उन्होंने सोलह औस संतरे का रस लिया। शरीर पर आहार विषयक प्रयोगों के कारण बापू अपने जीवन पर कई बार खतरा मोल ले चुके थे। वे सुबह के जलपान में बकरी का दूध हमेशा आठ औंस लेते। नोवाखाली में एक बार बकरी का दूध न मिल सका तो उन्होंने स्वेच्छा से नारियल का %दूध% निकलवाकर लिया और वह भी उतनी ही मात्रा में लिया, किंतु उसे वे हजम न कर सके। उनको दस्त होने लगे। शाम होते-होते उन्हें इतनी कमजोरी आ गई कि बाहर से झोपड़ी में आते- आते चक्कर आने लगे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सैलजा पहुंची अचानक रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा मंगलवार की सुबह अचानक रायपुर पहुंची। उनके अचानक दौरे से प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी हैरान रह गए रहे, क्योंकि उनका 16 मई को पूर्व निर्धारित दौरे का कोई कार्यक्रम नहीं था। उनके आने की अचानक सूचना मिलते ही कांग्रेस पदाधिकारी माना एयरपोर्ट पहुंचे। कुमारी सैलजा का यह दौरा बेहद गोपनीय माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने अपने इस दौरे के बारे में किसी से जिक्र नहीं किया था।

17 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों का हुआ तबादला

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम ने करीब 17 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। जगदलपुर तहसीलदार पुष्पराज पात्रा को बस्तर, जगदलपुर तहसीलदार की जिम्मेदारी बकावंड के तहसीलदार जयकुमार नाग को, तोकापाल तहसीलदार जॉली जेम्स को बकावंड तहसीलदार, दरभा की आशा मौर्य को तोकापाल व चित्रसेन साहू को दरभा तहसीलदार की जिम्मेदारी दी है। आशीष साहू प्रभारी तहसीलदार बास्तानार, मधुकर सिरमौर प्रभारी तहसीलदार बास्तानार से प्रभारी तहसीलदार लोहंडीगुड़ा भेजा है। नए कलेक्टर की पदस्थापना से पहले ही राजस्व विभाग के काम काज को लेकर लगातार शिकायतों का दौर चल रहा था। कलेक्टर के आने के कुछ दिनों पहले ही भानपुरी इलाके में खदान से आने वाली गाडियों से अवैध वसूली के आरोपों के चलते तत्कालीन कलेक्टर चंदन कुमार ने राजस्व विभाग के एक अफसर को तत्काल भानपुरी से हटाकर दरभा भेजा था। उसी समय माना जा रहा था कि राजस्व विभाग में बड़ी सर्जरी होगी। इस बीच कलेक्टर का ट्रांसफर हो गया और नये कलेक्टर विजय दयाराम ने राजस्व विभाग में फेरबदल कर डाला।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 7 में समस्याओं का अंबार

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में तमाम सुविधाओं का दावा करने वाले रेलवे प्रशासन ने आधी-अधूरी तैयारी के साथ ही प्लेटफार्म नंबर 7 को संचालित करना शुरू कर दिया है। इससे यात्रियों को कई मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे यात्रियों की माने तो प्लेटफार्म नंबर 7 शुरू कर दिया गया है, रोजाना यहां से ट्रेनों का आना-जाना भी हो रहा है। लेकिन यात्री यहां मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। यहां यात्रियों के लिए पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है। भीषण गर्मी में शीतल जल का दावा करने वाले रेलवे प्रशासन से यह चूक कैसे हो गई? समझ से परे हैं। इसके अलावा यात्रियों को खासकर महिला यात्रियों को सुलभ आदि की सुविधा के लिए प्लेटफार्म नंबर 5-6 तक जाना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में यात्रियों के बैठने के लिए न तो पर्याप्त कुर्सिया लगाई गई हैं और न ही यहां पंखे आदि लग पाए हैं। यहां तक कि प्लेटफार्म में अभी तक टाईल्स आदि का काम भी पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में इस प्लेटफार्म को आनन-फानन में शुरू करना समझ से परे है।

प्रचंड गर्मी के कारण जंगलों में लग रही भीषण आग

बलरामपुर। बलरामपुर बीते तीन-चार दिनों से एकाएक बलरामपुर वन मंडल के अंतर्गत विभिन्न वन परिक्षेत्र में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही है शंकरगढ़ वन परीक्षेत्र, वाड्रफनगर वन परीक्षेत्र, बलरामपुर वन क्षेत्र एवं रामानुजगंज वन क्षेत्र में आग लगने से बड़ी संख्या में पेड़ पौधे जलकर खाक हो गए। जिस प्रकार से लगातार जंगलों में आग लग रही है वह बहुत ही चिंताजनक विषय है। गौरतलब है कि तेज गर्मी एवं तेज धूप के बीच बलरामपुर वन मंडल के अंतर्गत विभिन्न वनपरि क्षेत्र में एकाएक जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई है।वाड़फ्नगर वन परिक्षेत्र के कृष्ण कुंज वन से लगे हुवे बाईपास सड़क के किनारे जंगल में लगी भीषण आग से बड़ी संख्या में पेड़ पौधे जल गए आग इतना भीषण था कि काफी दूर से आग दिख रहा था वन अमला के द्वारा बहुत ही मुश्किल से आग पर काबू पाया जा सका। वही शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत सरगवा के जंगल में लगी आग देखते-देखते भीषण शुरू ले ली एवं 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल गई जिससे बड़ी संख्या में पेड़ पौधे जलकर खाक हो गए यहां वन कर्मियों की लापरवाही भी सामने आई। सूचना के काफी देर बाद ही वन कर्मी मौके पर पहुंच पाए। रामानुजगंज वन परिक्षेत्र एवं बलरामपुर वन परीक्षेत्र सहित जिले के अन्य वन परिक्षेत्र में भी जंगलों में आग लगने की घटनाएं हुई परंतु मौके पर तत्काल वन विभाग की टीम पहुंचकर आग पर काबू पा लिया गया।

साक्षी ध्रुव डिप्टी कलेक्टर बनी

रिसाली। साक्षी ध्रुव के डिप्टी कलेक्टर बनने एवं आदिवासी समाज के मान बढ़ाये जाने पर आदिवासी समाज प्रमुखों ने सौजन्य भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर साक्षी ध्रुव को मुंह मीठा कराया गया। साथ ही शाल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष राजू लाल नेताम, विक्की नेताम, रामजी ठाकुर, रिसाली मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे शैली, पार्षद तुलसी ध्रुव, मन्नूलाल ठाकुर, गजेन्द्र ठाकुर, सुनील ठाकुर, श्रीकांत, युवराज ध्रुव, योगेश साहू, महिपाल ठाकुर, ईलेश मरकाम, विष्णु मंडावी उपस्थित थे।

रायगढ़ में शासकीय विधि महाविद्यालय नहीं

गरीब ग्रामीण छात्र,छात्राओ को महंगी फीस वाले निजी कालेज का मुंह ताकना बनी मजबूरी

रमेश अग्रवाल

रायगढ़। छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लगभग 3 वर्ष पूर्व बिलासपुर विश्वविद्यालय से पृथक कर रायगढ़ में एक नए शासकीय विश्वविद्यालय शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय की स्थापना की।जिसमें रायगढ़ एवं जांजगीर जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों को सम्बद्ध किया गया एवं वर्तमान में दो नवनिर्मित जिले सारंगढ़ एवं सक्ति भी इसी से सम्बध्द हैं किंतु समूचे रायगढ़ जिले में एलएलबी के कोर्स हेतु एक भी शासकीय महाविद्यालय संचालित नहीं हैं।रायगढ़ जिले में जहाँ विश्विद्यालय का मुख्यालय स्थापित है वहाँ एलएलबी के लिए छात्रों को निजी महाविद्यालय स्वामी बालकृष्ण पूरी विधि महाविद्यालय की ओर रुख करना पड़ता है एवं विश्विद्यालय में भी एलएलबी हेतु यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट संचालित नहीं है।गत वर्ष एक मात्र निजी स्वामी बालकृष्ण पुरी विधि महाविद्यालय में लगभग 30 प्रतिशत फीस की बढोत्तरी की गई थी जिससे छात्रों में काफी निराशा देखी गई थी।बताया जाता है कि छात्रगण उच्च शिक्षा मंत्री से मिलने उनके गृहग्राम नंदेली तक आये थे किंतु गुजरात चुनाव में गए होने कि वजह से छात्रों को बैरंग लौटना पड़ा था।अगर देखा जाए तो एलएलबी हेतु स्वामी बालकृष्ण विधि महाविद्यालय में धरमजयगढ़, खरसिया,मालखरौदा,सक्ति, सारंगढ़, आदि क्षेत्रों से छात्र पढ़ने के लिए रायगढ़ आते हैं।स्वामी बालकृष्ण पूरी महाविद्यालय में हाल यह है कि यहाँ छात्रों के एडमिशन के मुताबिक यहाँ बैठने की व्यवस्था भी नहीं है।शासकीय महाविद्यालय में सिर्फ जांजगीर जिले के शासकीय ठाकुर छेदी लाल महाविद्यालय में ही सिर्फ एलएलबी कोर्स उपलब्ध है किंतु वहाँ भी सीमित सीटें हैं जिसका बेजा लाभ निजी संस्थाएँ उठाती हैं।रायगढ़ में शासकीय पलूराम धनानिया महाविद्यालय में 5 वर्षीय बीए, एलएलबी कोर्स संचालित है जिसमें सिर्फ 60 सीटें हैं किंतु तीन वर्षीय एलएलबी हेतु एक भी सीट नहीं होने से।अंतत: सुदूर अंचल से आकर बड़ी ही विपरीत परिस्थितियों में विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करना पड़ता है।

जिले में एलएलएम का तो और भी बुरा हाल

यदि एलएलएम की शिक्षा की बात करें तो शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय में सिर्फ जांजगीर के अलावा कोई विकल्प नहीं है ऐसे में रायगढ़ जिले के छात्रों को विश्वविद्यालय मुख्यालय को छोड़कर जांजगीर चाम्पा एलएलएम अध्ययन हेतु जाना पड़ता है।जो उनके लिए हिमालय की चोटी पर चढ़ने जैसा मुश्किलों भरा दुखद व कठिन होता है!

सुविधाओं का अभाव, इच्छाशक्ति में कमी

यूँ तो प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री भी रायगढ़ जिले से ही आते हैं।रायगढ़ जिले की खरसिया विधानसभा से वे निर्वाचित विधायक हैं किंतु दिवंगत नेता शहीद नंदकुमार पटेल के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय में ऐसी समस्याओं के व्याप्त होने से इसे अलग अलग नजरिए से देखा जा रहा है।सत्ता पक्ष की ओर झुकाव रखने वाले लोग इसे सुविधाओं का आभाव बता रहे है।

साहू संघ के प्रतिनिधि बिरनपुर घटना के पीड़ित परिवार से मिले

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला के साजा के ग्राम बिरनपुर में कुछ दिन पूर्व हुए दो समुदायों में हुए हिंसा में गांव के युवक भुनेश्वर साहू नृशंस हत्या हुई थी। जिसके परिवारजनों को सांत्वना एवं मृतात्मा को श्रद्धांजलि देने जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू के नेतृत्व में जिला एवं तहसीलपदाधिकारीगण ग्राम बिरनपुर पहुंचे।इस घटना के इतने दिनों बाद भी गांव में 144 धारा लागू है।गांव में अभी भी पुलिसकर्मी तैनात है। इस परिस्थिति में पुलिस जवानों के साथ जिला साहू संघ दुर्ग के प्रतिनिधि मंडल ने परिवारजनों से मुलाकात कर घटना के सम्बंध में विस्तृत जानकारी लिया।जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू ने घटना पर शोक ब्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को संवेदना ब्यक्त कर उपस्थित पुलिस प्रशासन को उचित कार्यवाही के लिए कठोर कदम उठाने हेतु निवेदन किया। पीड़ित परिवार को जिला साहू संघ एवं चारो तहसील साहू समाज द्वारा 51000/-(इक्यावन हज़ार रुपये) एवं प्रतिनिधि मंडल के साथ जितेंद्र साहू (मंत्री सुपुत्र) द्वारा भी51000/-(इक्यावन हजार रुपये)प्रदान शोकाकुल परिवार को प्रदान किया गया।

तेंदूपत्ता संग्रहकों के 5 सूत्रीय मांग को लेकर भाजपा अजजा मोर्चा ने रेंजर ऑफिस का घेराव किया

केल्हारी। भारतीय जनता पार्टी जिला एम सी बी ने सत्ताधारी कांग्रेस को हर मोर्चे पर घेरने में लगी हुई है। शनिवार 13 मई को भारतीय जनता पार्टी अनूसूचित जनजाति मोर्चा के बैनर तले केल्हारी हाई स्कूल ग्राउंड में आम सभा कर रैली के माध्यम से वन परिक्षेत्र अधिकारी केल्हारी का घेराव किया। घेराव कर 5 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उन 5 मांगों में प्रमुख मांग इस प्रकार हैं -

1) तेंदूपत्ता खरीदी दिवस 10 दिन की जाएविदित हो कि- वर्तमान में प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा मात्र तेंदूपत्ता की खरीदी एक से तीन दिन ही की जाती है। 2)पूर्व की भाजपा सरकार की भांति बोनस प्रदान किया जाए साथ ही पिछले 4 वर्षों का बोनस भी दिया जाए। विदित हो कि वर्तमान में कांग्रेस सरकार द्वारा 4000 प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदी की जा रही है परंतु बोनस नहीं दिया जाता है, जबकि पूर्व भाजपा सरकार में 2500 रू प्रति मानक

बोरा खरीदी के साथ 2000 रू से 13000 रू प्रति मानक बोरा बोनस दिया जा रहा था। 3) तेंदूपत्ता संग्राहको को जीवन बीमा चरण पादुका तथा साड़ी एवं संग्राहक परिवार के पढ़ाई करने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति सुविधा पूर्व भाजपा सरकार की भांति प्रदान किया जाए। 4)कोरोना काल में कांग्रेस सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहको की बीमा राशि जमा न कराने के कारण सैकड़ों संग्राहक परिवार में सदस्यों की मृत्यु होने पर उन्हें बीमा की राशि नहीं मिल पाई है। 5) कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में लघु वनोपज समिति प्रबंधकों को तृतीय वर्ग कर्मचारी का दर्जा देने की घोषणा की गई थी अपनी जन घोषणा पत्र के अनुरूप तेंदूपत्ता लघु वनोपज समिति प्रबंधकों को तत्काल तृतीय वर्ग कर्मचारी घोषित किया जाए तेंदूपत्ता के फड़मुंशी को भी कांग्रेस सरकार के द्वारा अपने घोषणापत्र में 12 हजार वार्षिक मानदेय देने की घोषणा किया था अपने घोषणा पत्र के अनुरूप फड़ मुंशियो को तत्काल मानदेय प्रदान करना शुरू करें एवं पिछले राशि प्रदान करें।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी, छग शासन के पूर्व संसदीय सचिव चम्पादेवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह,अनूसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष उजित नारायण, जिला पंचायत सदस्य दृगपाल सिंह, जिला महामंत्री रामलखन सिंह, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश जायसवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष केल्हारी व कोटाडोल क्रमश परमानन्द यादव, राजा राम दास मौर्य, एसटी मोर्चा के जिला महामंत्री राम शकल सिंह, प्रदेश भाजयुमो पदाधिकारी कोमल पटेल सहित लगभग 300 से अधिक संग्राहक व भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

आखिर क्यों शासन प्रशासन पंचायत रोजगार सहायक के सामने टेक रहे घुटने: केवल सिंह

एमसीबी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष व उप सरपंच ग्राम पंचायत साल्ही केवल सिंह मरकाम कि ग्राम पंचायत साल्ही के रोजगार सहायक बैजनाथ सिंह को हटाने के लिए ग्रामीणों ने कई शिकायत और कई कार्यवाही करवाकर उच्च कार्यालयों में भेजा है और आश्वासन भी हमेशा मिलता रहा है। लेकिन मामला आगे जाकर ठंडे बस्ते में चला जाता है। आखिर आज तक सरपंच, विधायक व जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ के अधिकारी एक रोजगार सहायक के सामने घुटना क्यों टेक देते हैं? जबकि उसी ग्राम पंचायत में पदस्थ प्रेरक को वर्ष 2015 में तात्कालिक व वर्तमान सरपंच श्रीमती रामबाई द्वारा एक लेटर के शिकायत में बर्खास्त करवा दिया जाता है। मेरे साथ एक तरफा फैसला कर दिया जाता है और साथ ही दूसरा मामला वर्ष 2021-22 में गौठान निर्माण कार्य को लेकर कितने शिकायत करने के बावजूद भी यहां तक की मामला हाईकोर्ट में चला गया और उच्च कार्यालयों द्वारा ग्राम पंचायत से न ही कोई सुझाव मांगा गया और न ही कोई बैठक करवाया गया। चाहे प्रेरक का मामला हो या फिर गौठान निर्माण कार्य का मामला हो। दोनों की स्थिति एक जैसी है। लेकिन वहीं पर रोजगार सहायक को बचाने के लिए तरह-तरह का हथकंडा अपनाया जा रहा है। उसके लिए तमाम तरह के नियम कानून अपनाया जा रहा है।इस तरह का दोहरा नीति क्यों? चूंकि मामला विधायक गुलाब कमरो के गृहग्राम का है और विधायक हमेशा कहते हैं कि कांग्रेस सरकार में कार्यवाही होती है और हर अधिकारी कर्मचारी संवेदनशील है। विधायक जी का कथनी और करनी वाकई सही है या दिखावा है यह देखना होगा। अब रोजगार सहायक के विरुद्ध अगला कार्यवाही दिनांक 18/05/2023 को होना है। अब आगे यह देखना होगा, कि उसे बचाने या कार्यवाही करने में कौन सी तरकीब अपनाते हैं।

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत पर एनएसयूआई ने मनाई खुशियां

दुर्ग। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद छ:ग एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू साहू के निर्देश पर आज दुर्ग एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष रवि अन्य कार्यकर्ता के सामूहिक नेतृत्व में दुर्ग पदाधिकारी द्वारा मालवी नगर चौक दुर्ग पर स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर पहुंच पूजा अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद लेकर अभिवाजित मध्यप्रदेश में दुर्ग जिला से कांग्रेस पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले कांग्रेस पार्टी के किसान छत्तीसगढ़िया नेता स्व. दाऊ वासुदेव चंद्राकर जी के मूर्ति पर माला अर्पण कर उन्हें याद करते हुए कार्यकर्ता ने राहगीरों को मिठाई खिलाकर ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया इस दौरान ह्स्ट्र पदाधिकारीयों ने इस जीत को कर्नाटक की जनता, पार्टी के शीर्ष नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय मल्लिकार्जुन खडगे, कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वरिष्ठ नेता आदरणीय सीतारामया जी, राज्य ईकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार, प्रदेश प्रभारी सुरजेवाला देश में सबसे लोकप्रिय छग के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के छ:ग मॉडल के उदाहरण वाले तर्ज पर पांच गारंटी के तर्ज पर राज्य में पार्टी ने चुनाव लड़ा जिसे जनता ने स्वीकार कर राज्य के सभी सीनियर नेताओं और कांग्रेस पर भरोसा जताया राज्य ईकाई के सभी मोर्चा संगठनों के कार्यकर्ता के अथक परिश्रम और सभी वरिष्ठ नेताओ के सामूहिक प्रयास से 40% कमीशन डबल ईंजन वाली भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाकर पुन: कर्नाटक में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के साथ राज्य में सरकार बनाई यह जीत पार्टी के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने वाले बूथ व सेक्टर प्रभारी ब्लॉक वार्ड के हर एक जमीनी कार्यकर्ता कि जीत है इस जनादेश से केंद्र के तानाशाही सरकार के खिलाफ और के नफरत पर मोहब्बत कि जीत बताया। सही मायने में 2024 की जो आहट थी उसका आगाज हो चुका है 2024 परिणाम 2023 में दिख गया है भारतीय जनता पार्टी पुरी तरह हताश व उदास है कांग्रेस परिवार में हर्ष व्याप्त सभी कार्यकर्ता 2023 और 24 के मिशन में जुट गये है।इस दौरान दुर्ग एनएसयूआई के हरीश देवांगन, अमन दुबे, राहुल यादव, देवेश सिंह राजपूत, राहुल सोनकर ,महेश, अहमद, पुष्कर, प्रतीक, सैश, वास्तविक, आशीष लाकेश सिन्हा, विक्रम टंडन, साहित्य साहू, फर्दीन इकबाल, अहिवारा विधानसभा उपाध्यक्ष रमेश दास, कार्तिक, डोमन,विकाश साहू, मयंक, शुभम, प्रकाश सहित एनएसयूआई के बहुत से कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कर्नाटक की जीत से साबित हो गया देश का मूड कांग्रेस के पक्ष में जा रहा है : विनोद टावरी

दल्लीराजहरा। बालोद युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष विनोद टावरी ने कहा कि कर्नाटक जैसे बड़े राज्य में इतनी बड़ी जीत हासिल करना, वो भी केन्द्र में बीजेपी की सत्ता रहते हुए भाजपा को बड़े अंतर से मात देना। यह साबित करतीं हैं कि अब देश ने फैसला कर लिया है कि कांग्रेस के साथ जायेगी। विकास रोजगार, शिक्षा स्वास्थ्य, किसान, मजदूर, मध्यमवर्गीय, छोटे व्यापारी सभी वर्गों सभी धर्मों के उत्थान के लिए जनता वोट करेगी। फिल्म के आधार पर एवं नफरत की राजनीति को जनता ने नकारा है, और भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के प्यार के संदेश को स्वीकार किया है। विनोद टावरी ने कहा कि कर्नाटक जीत के लिए शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी, सोनिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे, प्रियंका गांधी, कर्नाटक के प्रभारी कुशल रणनीतिकार एवं प्रखर वक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला, कर्नाटक के सभी नेताओं, बूथ स्तर से प्रदेश राष्ट्रीय स्तर ने परिश्रम और जनता ने भरपूर प्यार दिया है।

धमतरी में भी खुशी मनाई

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस पार्टी की विशाल जीत पर कांग्रेसियों ने शहर के मकई चौक में आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एक दूसरे को जीत की बधाई दी तत्पश्चात नेशनल हाईवे स्थित हनुमान जी के मंदिर पहुच पूजा-पाठ कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शरद लोहाना, दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष निशु चन्द्राकर, कविता बाबर, ओंकार साहू ,गोपाल शर्मा,विजय प्रकाश जैन, हरमिंदर छाबड़ा, सूर्यप्रभा चेटियार, मदन मोहन खंडेलवाल, अरविंद दोषी, सलीम रोकड़िया आदि उपस्थित थे।

बालोद में दंतैल हाथी का आतंक कई गांवों में अलर्ट जारी

बुजुर्ग महिला को कुचलकर मार डाला

बालोद। बालोद जिले में हाथियों का उत्पात बीते एक महीने से चरम पर है। लगातार जगह बदल बदल कर हाथी उत्पात मचा रहे हैं। अब हाथियों ने फिर से उत्पात मचाते हुए एक बुजुर्ग महिला को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक महिला गीताबाई की उम्र 60 वर्ष है और वह आज सुबह पांच बजे घर से बाहर शौच के लिए गई थीं। घटना के बाद से वन विभाग अलर्ट पर हैं और लगातार मुनादी कराई जा रही है कि अकेले वन क्षेत्रों में प्रवेश न, करें घरों से बाहर अकेले न जाएं।

जानकारी के मुताबिक, हाथी ने महिला को कुचल दिया। जिसके बाद ग्रामीणों और 108 एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को डोंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां महिला ने दम तोड़ दिया। डोंडी वन विभाग की टीम दंतैल हाथी के क्षेत्र में होने की सूचना पहले ही दे चुकी है। वन विभाग व पुलिस मामले की जांच में जुटी। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बालोद जिले मे अबतक हाथियों के उत्पात से लगभग आधा दर्जन ग्रामीणों की मौत हो चुकी है।

प्रदेशों के लिए अलग-अलग फार्मूला बनाने पर भाजपा कर रही विचार

रायपुर। शनिवार को कर्नाटक के चुनाव परिणाम से जहां कांग्रेस में नया जोश जागा है वहीं भाजपा ने आने वाले चार प्रदेशों के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। कर्नाटक में जिस गुजरात फार्मूले पर टिकट वितरण किया वहां से उसे मुंह की खानी पड़ी। ऐसे में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में टिकट के फार्मूले को लेकर माथा पच्ची शुरू हो गई है। बताया जाता है कि सभी प्रदेशों के फार्मूले अब अलग अलग बनाने पर पार्टी विचार कर रही है।

भाजपा को फिलहाल राजस्थान के अलावा दूसरे राज्य में सत्ता में आने की संभावना फिलहाल नहीं लग रही है। राजस्थान में भी सचिन पायलट के अलग होने या उनके तटस्थ हो जाने पर ही भाजपा को फायदा मिल सकता है। इस तरह की मीडिया रिपोर्ट के अलावा भाजपा के खुद के सर्वे भी बता रहे हैं। ऐसे में पार्टी अब फूंक फूंक कर कदम रखने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पार्टी सबसे पहले टिकट वितरण पर ही फोकस करेगी । काफी जांच परख के बाद ही उम्मीदवारों पर मुहर लगाया जाएगा खासकर छत्तीसगढ़ में क्योंकि इस प्रदेश में भाजपा फिलहाल काफी बुरी स्थिति में है।

छत्तीसगढ़ की बात करें तो भाजपा ने पिछले 15 साल यहां शासन किया है लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 18 सीटों पर सिमट गई थी और बाद में 4 उपचुनाव भी भाजपा हार गई। छत्तीसगढ़ में कुल 90 विधान सभा सीट हैं जिसमें अभी से पास मात्र 14 विधायक ही बच पाए हैं। ऐसे में कम से कम भाजपा दमदार स्थिति में आने की कोशिश तो जरूर करेगी। 15 साल भाजपा के शासन के बाद भी कांग्रेस कभी 30 सीट के नीचे नहीं पहुंची लेकिन भाजपा यहां एक झटके में ही 14 सीटों पर सिमट गई है।अब छत्तीसगढ़ में भाजपा किसी भी कीमत पर एक -एक सीट के लिए एड़ी चोटी एक कर देगी। ऐसे में यहां गुजरात फार्मूला या कर्नाटक फार्मूला के बजाय अलग फार्मूला से टिकट दिए जाने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि यहां उसी प्रत्याशी को टिकट मिलेगा जो जीत के काफी करीब होगा। ऐसे में कई नए और फ्रेश चेहरे, जो इस आस में दिन रात एक कर रहे थे कि उन्हें टिकट मिल सकती है उन्हें झटका लग सकता है। क्योंकि फ्रेश वाला फंडा कर्नाटक में फेल हो गया है। हालांकि वहां कई दिग्गज भी कांग्रेस की आंधी में उड़ गए। कर्नाटक में 75 नए चेहरों को टिकट दिया गया था जिसमें मात्र 3 ही जीत दर्ज करा पाए, इसके अलावा दूसरे दल से आए उम्मीदवारों में से मात्र 8 प्रतिशत ही चुनाव जीत पाए जबकि 66 प्रतिशत अपनी उपस्थिति भी दर्ज नहीं करा पाए। नेताओं के रिश्तेदारों को भी टिकट दिया गया था, इनमे से कई तो तीसरे नंबर पर आए। हालांकि गुजरात में यह फार्मूला कारगर था लेकिन कर्नाटक में फेल हो गया। इसलिए चारो राज्यों के लिए टिकट को लेकर अलग - अलग फार्मूला लाए जाने की बात कही जा रही है।छत्तीसगढ़ के लिए लोकसभा चुनाव में एकदम से अलग फार्मूला लागू किया गया था। इस फार्मूले के तहत सभी सीटिंग सांसद का टिकट काट दिया गया था लेकिन वह लोकसभा चुनाव का मामला था। क्या विधानसभा चुनाव में भी कोई बड़ा फार्मूला आएगा या सिर्फ मजबूत और जिताऊ प्रत्याशी को ही टिकट दी जाएगी। इस सवाल पर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि इस बार पार्टी सिर्फ और सिर्फ यह देखेगी कि जितने वाला उम्मीदवार कौन है। पार्टी सर्वे में किसका नाम ज्यादा मजबूत है। पार्टी प्रादेशिक स्तर के बजाय स्थानीय स्तर पर उम्मीदवारों के चयन के लिए मापदंड तय करेगी। संभव है पुराने दिग्गजों के टिकट काटे जाने की जो बात अबतक कही जा रही थी वैसा हो यह संभव नहीं दिख रहा है। बहरहाल, अब कर्नाटक चुनाव के बाद कई फार्मूला पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में कुछ उम्मीदवार उम्मीद से हैं तो कई के होश फाख्ता हो गए हैं।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शराब घोटाले को लेकर निंदा प्रस्ताव

भूपेश सरकार की विदाई तय : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर तथा सह प्रभारी नितिन नवीन की उपस्थिति में मंगलवार को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में आहूत इस बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी सरला कोसरिया के वन्देमातरम् गायन से हुआ। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, विजय शर्मा व ओपी चौधरी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में 2 हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले के मद्देनजर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि प्रदेश की जनता इस कांग्रेस सरकार से त्रस्त हो चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कृतसंकल्पित है।

बैठक में प्रदेश सह प्रभारी श्री नवीन ने भाजपा के महासम्पर्क अभियान की जानकारी देकर इस दौरान प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। यह महासम्पर्क अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मद्देनजर चलाया जाएगा। श्री नवीन इस अभियान की राष्ट्रीय टोली के सदस्य तथा छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि गरीबों का मकान छीनने में जिन्हें शर्म नहीं आई, घोटाला करके गरीबों का चावल खाकर डकार जाने में जिनको शर्म नहीं आती, नकली और जहरीली शराब का गोरखधंधा करके प्रदेश के खजाने की लूट व जन-स्वास्थ्य से क्रूर खिलवाड़ करके भी जो शर्म महसूस नहीं करते, ऐसे लोगों की सरकार छत्तीसगढ़ पर असहनीय बोझ है और ऐसे लोगों को सरकार में रहने का कोई हक नहीं है। डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब केवल कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए घोटालों की चर्चा है। लोग इन घोटालों से तंग आ चुके हैं और सरकार बदलने का मन बना चुके हैं।

कार्यसमिति का मार्गदर्शन करते हुए प्रदेश प्रभारी श्री माथुर ने कहा कि हमें वहाँ पहुँचना है जहाँ किन्हीं कारणों से हम अब तक नहीं पहुँचे। 15 साल प्रदेश सरकार का विकास और 9 साल केंद्र की मोदी सरकार का विकास जन-जन तक पहुँचे। इस हेतु श्री माथुर ने महासंपर्क जन अभियान के अलग-अलग कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु विस्तार से मार्गदर्शन किया। श्री माथुर ने कहा कि हर कार्य में कुछ नवाचार करें, कुछ नया सोचें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ऐसे कई कार्य किए, जो केवल उन्हीं की सोच और उनके विजन की वजह से हुए। महासम्पर्क अभियान के दौरान प्रदेश भाजपा के नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता जनता से उस बात की चर्चा करें।

इससे पहले प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक शिवरतन शर्मा ने शराब घोटाले को लेकर निंदा प्रस्ताव रखा। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने तेन्दूपत्ता संग्रहण और तेन्दूपत्ता संग्राहकों की समस्याओं व उनके रुके भुगतान को लेकर किए गए आंदोलनों तथा किसान चौपाल कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। श्री कश्यप ने बताया कि आगामी दिनों में भाजपा नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता 13 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों तक पहुँचेंगे। इसी क्रम में प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी ने %चलबो गौठान-खोलबो पोल% अभियान की जानकारी दी। बैठक में दिवंगत पूर्व संसद सदस्य सोहन पोटाई सहित हाल ही में दिवंगत हुए पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। इस हेतु ओजस्वी मण्डावी ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जबरिया और अवैध धर्मांतरण के विरुद्ध सतत संघर्षरत नारायणपुर जिला भाजपा अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिन्हें नारायणपुर हिंसा के बाद प्रदेश सरकार ने झूठा मामला बनाकर तीन माह तक जेल में निरुद्ध कर रखा था, का प्रदेश प्रभारी श्री माथुर ने अभिनन्दन किया।

बाबू भैया की कलम से

क्या सरकारें भ्रष्टाचार करने के लिए ही बनती है ?

छतीसगढ़ के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। राजनैतिक घात प्रतिघात कांग्रेस भाजपा एक दूसरे पर करने लगे हैं। बयानों व एक्शन तथा रिएक्शन देख कर तो यही लग रहा है। राजनैतिक हमले दिनो दिन और घातक होंगे। शोध व खोजों के अनेकों माध्यम से अब मुद्दे बटोरे जायेंगें। वोटों को साधने किसी भी हद तक ऊपर - नीचे जाने से किसी भी दल को कोई गुरेज नहीं होगा। भाषा की मर्यादा भी शनै शनै ना सिर्फ क्षीण होती जाएगी बल्कि लगभग तोड़ दी जाएंगी। चुनाव पास आते ही खदान,धान,चावल से लेकर शराब और यहां तक कि गोबर में भी भ्रष्टाचार की बदबू आने लगी है। विपक्षी दल भाजपा तो खदान(कोयला), धान(चावल) , शराब तक पहुंच कर अब अब गाय के गोबर में भी भ्रष्टाचार खोजना शुरू कर चुकी है। एक ट्रेलर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से मंदिर हसौद के गोढी गांव में गोठान पहुंच कर टकराव की राजनीति खेल कर सत्ता को कल ही आईना दिखा दिया है। असली फ़िल्म दिखाने का काम 20 मई से भाजपाई नेतागण 10-10 गौठानों का दौरा करके करेंगें। कुल मिलाकर भाजपा की पूरी की पूरी टीम कांग्रेस सरकार को महा भ्रष्टाचारी सरकार बताने में भिड़ गई है। ऐसे ही आरोपों को दर्शा कर अभी हाल कांग्रेस ने कर्नाटक में भाजपा सरकार को चुनाव में जोरदार पटकनी दी है। भाजपा इस फार्मूले को छतीसगढ़ चुनावों में आजमाने तैयारी करती दिख रही है। सफल होगी या नहीं होगी यह अभी कहा नहीं जा सकता। प्रयासों में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। किसी ने पूछा था भाजपा चार साल मौन क्यों रही। शायद इसी रणनीति की तहत मौन रही होगी कि एक साथ चुनावी साल में चौतरफा हमला किया जाए। यह प्रयास अब शुरू हो भी गया है। संयोग है या सोची समझी रणनीति यह कहना मुश्किल है। ईडी के धुँवाधार सीरियल छापे पहले कोयला अब शराब को घेरे में लेकर किये जा रहे हैं। 2000 करोड़ के शराब घोटाले का खुलासा करना,प्रेस विज्ञप्ति जारी करना और कुछ लोगों का नाम लेने के साथ उनकी गिरफ्तारी कर लेना कुछ पर गिरफ्तारी की तलवार लटकाने की स्थिति बनना। तुरंत बाद भाजपा का कांग्रेस सरकार पर इसी मुद्दे पर हमलावर होने की बात व बयानबाजी तेज होने को ना सिर्फ कांग्रेस बल्कि जनता भी शक की नजर से देखने लगी है। इधर कांग्रेस ने पूछा कि ईडी भाजपा के कार्यकाल के भ्रष्टाचारों पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है। हजारों करोड़ का नान घोटाला,हजारों के नाम राशनकार्ड से काटने पर कहा कि उनका राशन का लंबे समय तक घोटाला किया,बलौदा बाजार का एक हजार करोड़ का धान घोटाला के साथ ,करोड़ों का शराब घोटाला व अन्य गड़बड़ियों पर ईडी मौन क्यों है ? मुख्यमंत्री ने तो यह तक कह दिया है कि स्थानीय भाजपा नेताओं के पास हमारे कामों के सामने कहने को कुछ भी नहीं है। मुद्दा विहीन भाजपा ईडी के सहारे चुनाव में फतह चाहती है। इसलिए सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। जनता के बीच कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि ईडी क्यों हमारे महाधिवेशन से लेकर अब तक पीछे पड़ी है।

आजकल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका में सभी दलों के प्रवक्तागण आ गए हैं। आये दिन होने वाले टीवी डिबेट में एक दृश्य लगभग बार बार दोहराया जा रहा है। भाजपा के प्रवक्ता कहते हैं कांग्रेस सरकार व उसका मुख्यमंत्री भ्रष्टाचारी है। कांग्रेस के प्रवक्तागन कहते हैं 15 साल भाजपा की सरकार व उनके मुख्यमंत्री भयानक भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। ये कहते है कि उन्होने करोड़ों का घोटाला किया वे कहते हैं कि इन्होंने करोड़ों का घोटाला किया। अब टीवी डिबेट की श्रोता जनता बिचारी किसकी बात माने। कौन भ्रष्टाचारी है कौन नहीं। सोचने लगती है कि क्या हर साख पर ..... ही बैठे है क्या ? अब अंजामें गुलिशतां क्या होगा? भला हो इन प्रवक्ताओं का जिन्होंने हमारी आंखें खोल दी कि जिन्हें हम उम्मीदों के साथ चुनकर सरकार बनाने भेजते हैं। गद्दी पर बैठते ही वे घोटाले करने लगते हैं। चाहे ये हों या वो हों ,या कोई और? ये क्या तमाशा है ? अब हम भरोसा करें तो किस पर करें? जनता यह सोच कर ही परेशान है। सोचती है कि क्या हमारे टैक्स का पैसा खर्च करने का हम जो अधिकार इन नेताओं को उन्हें चुनाव में चुनकर दे देते हैं। क्या ये इनकी पैतृक संपत्ति है जो भ्रष्टाचार करने की हिम्मत इनमें आ जाती है। दूसरी बात यह कि हम अपने राज्य की ही बात करें तो छतीसगढ़ में 20 सालों से सभी सरकारों व उनके मुखियाओं पर लगे करोड़ों के घोटाले के आरोपों में हमने आजतक एक नेता को भी सजा पाते नहीं देखा। सभी कहते हैं कि हमारी जेब में सबूत है, समय आने पर उसका जनता के बीच खुलासा करेंगें आजतक खुलासा नहीं देखा है। वो समय भी आते नहीं देखा। जनता सोच रही है कि क्या हम सब मूर्ख समझे जा रहे हैं। सरकारें बनने के बाद अगर सभी एक राह पर अपने सिस्टम के दबाव में काम करने मजबूर हो जाते हैं,तो फिर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोपों के मायने क्या हैं। शायद सिर्फ सत्ता पाने एक दूसरे को बदनाम करने का साधन मात्र हैं। सत्ता पाने के बाद आपको भी वही करना है ,जो वे कर रहे थे , तो आरोप प्रत्यऱोप करना व अपने ही राज्य सरकारों को बदनाम करना बंद करिए। सत्ता पाने के कोई और रास्ते ढूँढ़िये।

फेडरेशन-1 की प्रांतीय कार्यकारिणी गठित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल/कंपनी में विगत 23 वर्षों से कर्मचारियों के हितों के लिए कार्यरत छत्तीसगढ़ विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन-1 की प्रांतीय कार्यकारिणी (2023-2026) का गठन किया गया, जिसमें श्री सुरेन्द्र शुक्ला (रायपुर)-प्रांतीय अध्यक्ष व श्री आर.सी. चेट्टी (कोरबा पूर्व)-प्रांतीय महासचिव निर्वाचित हुए, साथ ही अन्य महत्वपूर्ण पदों जैसे प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष (1), प्रांतीय उपाध्यक्ष (7), प्रांतीय सचिव (1), प्रांतीय संगठन सचिव (1), प्रांतीय प्रचार सचिव (2), प्रांतीय मीडिया प्रभारी (1), प्रांतीय कोषाध्यक्ष (1), सचिव महामंत्री कार्यालय (1), जोनल सचिव (7), क्षेत्रीय सचिव (12), क्षेत्रीय संगठन सचिव (7), क्षेत्रीय प्रचार सचिव (7) के साथ 52 कार्यकारिणी सदस्यों का गठन किया गया। संगठन की मजबूती के लिए इस बार नए युवा वर्ग को महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी दी गई है जैसे-प्रांतीय संगठन सचिव सरोज राठौर, प्रांतीय सचिव सुरजीत बंजारे, प्रांतीय प्रचार सचिव पवन दास, प्रान्तीय मीडिया प्रभारी सतीश कुमार देवांगन, सचिव महामंत्री कार्यालय बलजीत कंवर, जोनल सचिव घनश्याम साहू, देवी सिंह कश्यप व मनोज वर्मा, क्षेत्रीय सचिव देवनारायण बांधे व रजनीकांत कुर्रे को जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में साढ़े सात हजार कन्याओं के विवाह का लक्ष्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी अब पूरे सम्मान के साथ होगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि अब बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। विवाह के अवसर पर प्रत्येक कन्या को 21 हजार रूपए की राशि बैंक खाते या बैंक ड्रॉफ्ट के रूप में दी जाएगी। इसके अलावा 15 हजार रूपए की राशि के उपहार भी दिए जाएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में प्रथम छमाही में तीन हजार कन्याओं और वार्षिक आधार पर 07 हजार 500 कन्याओं के विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया है, इससे कई निर्धन परिवारों का अपनी बेटियों के सम्मानजनक रूप से विवाह का सपना पूरा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में प्रत्येक कन्या को विवाह आयोजन व्यवस्था और परिवहन पर प्रति कन्या 8 हजार रूपए, इसके साथ विवाह के मौके पर वर-वधु के कपड़े, श्रृंगार सामग्री इत्यादि पर 6 हजार रूपए खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही विवाहित जोड़े को 15 हजार रूपए की उपहार सामग्री भी भेंट की जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बेटियों के विवाह के लिए सहायता राशि में दो बार वृद्धि की है। श्री बघेल ने वर्ष 2019 में योजना के तहत सहायता राशि को 15 हजार रूपए से बढ़ाकर 25 हजार रूपए कर दिया था। अब 2023-24 के बजट में यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। वर्ष 2019 की तुलना में निर्धारित बजट राशि भी दोगुनी करते हुए 38 करोड़ रूपए कर दी गई है।

योजनान्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार और मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अंतर्गत कार्डधारी परिवार की 18 वर्ष से अधिक आयु की अधिकतम दो कन्याओं को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजनांतर्गत विधवा, अनाथ, निराश्रित कन्याओं को भी शामिल किया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। विकास खंड स्तर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी या एकीकृत बाल विकास अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

भाजपा कार्यसमिति की बैठक के विषयों से साफ भाजपा मुद्दाविहीन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की कार्यसमिति की बैठक में लिये गये निर्णयों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि मुद्दाविहीन भारतीय जनता पार्टी को समझ ही नहीं आ रहा कि वह किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाये। उसकी कार्यसमिति की बैठक के निर्णय यह बताने के लिये पर्याप्त है कि भाजपा छत्तीसगढ़ मतिभ्रम का शिकार हो चुकी है। कांग्रेस सरकार ने साढ़े चार साल में हर वर्ग के लिये काम किया है। भाजपा के पास कोई विषय ही नहीं बचा है जिसको लेकर वह कांग्रेस सरकार को घेर सके।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा के छत्तीसगढ़ बचाओ संकल्प पर तंज कसते हुये कहा कि प्रदेश की जनता 2018 में 15 साल की लूटेरी कमीशनखोर भ्रष्ट अराजक आदिवासी, ओबीसी, एसटी, एससी वर्ग विरोधी रमन सरकार को सत्ता के बेदखल कर छत्तीसगढ़ को बचा लिया। आज छत्तीसगढ़ मजबूत हुआ है। सक्षम बना है। अब जनता भाजपा से देश बचाने 2024 का इंतजार कर रही है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा अपने शासनकाल में तेंदूपत्ता संग्राहकों को 2500 रू. प्रति मानक बोरा देती थी।

भूपेश बघेल ने किया महिलाओं का अपमानः मूणत

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता और पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेश मूणत ने कहा कि जनता यह सच जान चुकी है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भ्रष्टाचार की खातिर छत्तीसगढ़ में शराबबंदी करने से कतरा रहे हैं। यह बात पूरा देश जान चुका है कि भूपेश बघेल के इशारे पर काम करने वाले कांग्रेस नेता अनवर ढेबर और राज्य के आबकारी विभाग के विशेष सचिव पर 2000 करोड़ रुपये का घोटाला किया है,इसके बावजूद वह शराबबंदी न करने के कारणों को गिनाने के लिए कुतर्क गढ़ रहे हैं। मूणत ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए सारे वादे भूल कर केवल घोटालों को संरक्षण देने में लगे हुए हैं। राज्य की जिन माताओं, बहनों, बेटियों से शराबबंदी का वादा किया गया था,आज उन्ही का अपमान करने से नहीं चूक रहे हैं।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बयान में कहा है कि 'महिलाएं गुड़ाखु नशा का सेवन ज्यादा करती है, वे राज्य का मुखिया होने के नाते तत्काल आदेश दे सकते हैं शरबबंदी का, लेकिन इससे समस्या का समाधान हो पायेगा क्या?' मूणत ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री शराबबंदी ना कर पाने के लिए महिलाओं को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जो बेहद ही शर्मनाक और आपत्तिजनक होने के साथ महिलाओं का अपमान भी है। उन्हें तत्काल महिलाओं से माफी मंगाकर शराब घोटाले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

सांसद सोनी को चेंबर ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने सांसद सुनील सोनी से मुलाकात कर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने हेतु ज्ञापन सौंपा।चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने कहा कि सांसद सुनील सोनी से मुलाकात कर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने हेतु ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एक उभरता हुआ विकासशील प्रदेश है जिसने बहुत ही कम समय में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। प्रदेश के व्यापारियों, उद्योगपतियों, विद्यार्थियों, प्रोफेशनल, एवं जन सामान्य को अंतर्राष्ट्रीय हवाई सुविधा के लिए अन्य शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है परिणामस्वरूप देश के अन्य प्रमुख शहरों के बीच हवाई यात्रा का दबाव बढ़ता जा रहा है। यदि इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुविधा रायपुर स्थित हवाई अड्डे में मिल जाती है तो अन्य शहरों के बीच इस दबाव को कम किया जा सकता है।

कांग्रेस की मांग, सीजीपीएससी में चयनित बच्चों के अपमान के लिए माफी मांगे भाजपा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सीजीपीएससी में चयनित बच्चों के चयन पर सवाल उठाकर भाजपा ने अपने गिरी हुई और घटिया सोच को प्रदर्शित किया है। सीजीपीएससी की परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से होती है और उस में भाग लेने वाले अभ्यर्थी अपनी योग्यता क्षमता के आधार पर परीक्षा पास कर चयनित होते हैं। ऐसे में भाजपा के द्वारा उनके चयन पर सवाल उठाना चयनित बच्चों का अपमान है। भाजपा को अपने इस हरकत के लिए सीजीपीएससी में चयनित सभी बच्चों से माफी मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छात्र-छात्रायें वह दिन को भूले नहीं है जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे उस दौरान शिक्षा मंत्री रहे केदार कश्यप की पत्नी के स्थान पर दूसरे युवती ने परीक्षा दी थी और उस नकल प्रकरण का भंडाफोड़ हुआ था। रमन सरकार के दौरान ही प्रतियोगी परीक्षा हो या अन्य प्रकार के परीक्षा हो भ्रष्टाचार और घाल मेल होता था।

ठाकुर ने कहा कि अगर कोई छात्र होनहार है, योग्य है, विद्वान है और वह प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित हो जाता है और उसके संबंध किसी राजनेता अधिकारी व्यापारी से है इसका मतलब यह नहीं है कि उसे उसके हक अधिकार से वंचित किया जाए या उसकी योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगाया जाए। भारतीय जनता पार्टी अपनी ओछी राजनीति के लिए पीएससी में चयनित बच्चों के योग्यता पर भी सवाल उठाने से पीछे नहीं हट रहे हैं, बड़ी घटिया और गिरी सोच भाजपा नेताओं की है।

मोदी सरकार के 9 साल जनता बदहाल - कांग्रेस

रायपुर। मोदी सरकार के 9 साल जनता की बदहाली का रहा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी राज में देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी से जितनी परेशान है उतना कभी नहीं रही। भाजपा सरकार मोदी सरकार की कौन सी उपलब्धि को जनता के बीच लेकर जाने की बात कर रही है। कांग्रेस मोदी सरकार की नाकामियों को जनता तक पहुंचायेगी। जनता मोदी सरकार की विफलता को खुद भोग रही है। मोदी सरकार 9 साल स्वतंत्र भारत के काला अध्याय रहे है। इन आठ सालों में देश की प्रगति रूक गयी। देश की बेरोजगारी दर घट गयी, लोगों की नौकरियां चली गयी, 2.5 करोड़ लोगों के हाथों से कमाई के साधन छिन गये। 45 करोड़ लोगों की नौकरी और रोजगार पाने इच्छा समाप्त हो चुकी है। आजादी के बाद पहली बार देश की उत्पादकता इतने निचली स्तर पर है, बेरोजगारी दर आसमान छू रही है। महंगाई बेलगाम है। नोटबंदी, जीएसटी जैसे अदूरदर्शी निर्णयों ने देश के उद्योग धंधे अर्थ तंत्र की कमर को तोड़कर रख दिया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार के 9 साल भाजपा के झूठे वायदों और जनता को मुंह चिढ़ाने वाले साबित हुये। जनता से हर के खाते में 15 लाख देने के वायदों को जुमला बता दिया, हर साल 2 करोड़ युवाओं को नौकरी देने के वायदे पर मोदी सहित पूरी भाजपा की बोलती बंद है।

तेन्दूपत्ता संग्रहणः वनांचल में बिखेरी हरा सोना की चमक

- **16.72 लाख मानक बोरा के लक्ष्य के विरूद्ध 8.82 लाख मानक बोरा संग्रहित**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में तेन्दूपत्ता का संग्रहण जोरों पर है। तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान अब तक 8 लाख 82 हजार 517 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो लक्ष्य के आधा से अधिक अर्थात् 52.78 प्रतिशत है। इस तरह वनांचल में हरा सोना अर्थात् तेंदूपत्ता ने अपनी चमक बिखेरने लगी है। ज्ञातव्य है कि राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनांचल के आदिवासी-वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य तेजी से जारी है।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 49 हजार 179 मानक बोरा तथा सुकमा में 94 हजार 555 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 19 हजार 446 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 18 हजार 286 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 697 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 17 हजार 917 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 51 हजार 396 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 19 हजार 37 मानक बोरा, तथा कांकेर में 31 हजार 865 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 43 हजार 405 मानक बोरा, खैरागढ़ में 19 हजार 686 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 17 हजार 356 मानक बोरा, कवर्धा में 23 हजार 126 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 20 हजार 492 मानक बोरा, गरियाबंद में 76 हजार 618 मानक बोरा, महासमुंद 63 हजार 832 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 13 हजार 917 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 15 हजार 60 मानक बोरा, मरवाही 5 हजार 616 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 5 हजार 825 मानक बोरा, रायगढ़ में 42 हजार 670 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 62 हजार 959 मानक बोरा, कोरबा में 34 हजार 976 मानक बोरा तथा कटघोरा में 33 हजार 746 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल जशपुर में 21 हजार 455 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ 8 हजार 704 मानक बोरा और कोरिया में 2 हजार 899 मानक बोरा, सरगुजा में 11 हजार 256 मानक बोरा, बलरामपुर में 6 हजार 65 मानक बोरा, सूरजपुर में 10 हजार 730 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

गोबर पेंट से बनी पेंटिंग लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल 2023 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में इको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा गोबर पेंट से एक घंटे में 3600 वर्ग फीट की पेंटिंग बनाई गई। जिसे 'गोबर पेंट से बनी सबसे बड़ी पेंटिंग' के रूप में 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में दर्ज किया गया है।

गौरतलब है कि विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर इको क्लब के विद्यार्थियों ने 'इनवेस्ट इन आवर प्लैनेट' थीम पर लाईफ अभियान के तहत एक घंटे में यह पेंटिंग बनाई थी। यह पेंटिंग राजधानी रायपुर के एक मॉल में 100 से अधिक बच्चों ने बनाई थी। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर 2 दिवसीय जागरूकता अभियान भी चलाया गया था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.